दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

बच्चों को छोटी उम्र में ही तैराकी सिखाने ...8

सिद्धार्थनगर
मंगलवार , 28 जुलाई 2026
वर्षः 13 अंक :226 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

मैं स्ट्रीट फाइटर हूं एसी एक्टिविस्ट नहीं...

इस्तीफे के बाद पहले रिएक्शन में ऐसा क्यों बोले धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली। छात्रों के जबरदस्त विरोध के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देने के दो दिन बाद, धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को संसद पहुँचे। इस दौरान बीजेपी सांसदों ने जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया। जब प्रधान के साथियों ने उनका स्वागत किया, तो वे मुस्कुराते हुए नजर आए। बीजेपी के एक सांसद ने कहा कि शायद यह पहली बार है जब किसी केंद्रीय मंत्री ने बिना किसी व्यक्तिगत आरोप का सामना किए इस्तीफा दिया है। इसी स्वागत–समारोह के दौरान जयराम रमेश प्रधान के पास पहुँचे और उनके इस्तीफे पर सहानुभूति जताई। कांग्रेस नेता ने उनसे कहा, ष्ऐसा होता रहता है।ष् प्रधान ने तुरंत जवाब दिया, ष्कुछ नहीं हुआ,ष् और साथ ही कहा मैं जमीनी स्तर पर लड़ने वाला नेता हूँ AC कमरे

में बैठकर काम करने वाला एक्टिविस्ट नहीं। बीजेपी नेताओं ने इस छोटी सी बातचीत को इस संकेत के तौर पर देखा कि कैबिनेट से हटने के बावजूद प्रधान राजनीतिक रूप से आत्मविश्वास से भरे हुए हैं और अपनी अगली जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। इससे बीजेपी में उनकी अगली भूमिका को लेकर भी अटकलें तेज हो गई हैं। ओडिशा में पार्टी के सबसे बड़े नेताओं में से एक होने के अलावा, प्रधान को बार–बार संगठन और चुनाव से जुड़ी अहम जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। छात्रों के हफ्तों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व मुख्य रूप से कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) कर रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इंफोसिस के सह–संस्थापक नंदन नीलेकानी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कार्य बल के गठन की घोषणा की। इस कार्य बल का उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को लीक–प्रूफ बनाने के लिए सुधारों की सिफारिश करना है। आज सुबह सरकार ने लोकसभा में पेपर लीक विरोधी कानून में संशोधन करने के लिए एक विधेयक पेश किया, जिसमें 10 साल तक की कैद और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

किरेन रिजिजू का ऐलानः विपक्ष चर्चा करे या न करे, लोकसभा में पास होगा सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को घोषणा की कि सरकार सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को पारित कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी, भले ही विपक्ष चर्चा में शामिल न हो। यह बयान लोकसभा में इस कानून पर होने वाली आठ घंटे की निर्धारित बहस से पहले आया है। रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि अगर विपक्षी पार्टियां परीक्षा सुधार विधेयक पर चर्चा नहीं करना चाहती हैं, तो सरकार बिना चर्चा के ही विधेयक पारित करा लेगी। अपनी बात कहने के

बाद, स्पीकर ने सभी पार्टियों से बातचीत करने को कहा ताकि शाम 5 बजे बहस शुरू हो सके। भारतीय जनता पार्टी और नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को बिल पर बोलने वाले नेताओं की लिस्ट सौंपी है, जिसमें छक। के लगभग 12 सदस्यों के नाम तय हैं। इनमें बांसुरी स्वराज, तेजस्वी सूर्या, शशांक मणि त्रिपाठी, अनुराग ठाकुर, श्रीकांत शिंदे, अरुण भारती, आलोक सुमन, अनुप्रिया पटेल और सायली घोष शामिल हैं। यह बिल केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में पेश किया था और उम्मीद है कि सरकार इस कानून पर आठ घंटे की चर्चा का प्रस्ताव रखेगी। कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों ने मांग की है कि इस बिल पर सीधे चर्चा न की जाए। इसके बजाय, उन्होंने मांग की है कि इसे विस्तार से जांचने के लिए संसदीय स्थायी समिति या संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा जाए। कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले लोकसभा में छात्रों पर कथित हमले के बारे में बयान दें, और उसके बाद ही बिल पर चर्चा आगे बढ़ाई जाए। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का यह रुख है – और राहुल गांधी ने कई बार यह बात दोहराई है – कि छात्रों के साथ जैसा बर्ताव किया गया, उसके लिए प्रधानमंत्री और सरकार को माफी मांगनी चाहिए। लोगों में बहुत गुस्सा है। दुख की बात है कि डबल–इंजन सरकार छात्रों को दबाने पर तुली हुई है।

नेशनल हेराल्ड केसः दिल्ली हाई कोर्ट ने गांधी परिवार को दिया 3 हफ्ते का समय

ईडी की याचिका पर मांगा जवाब

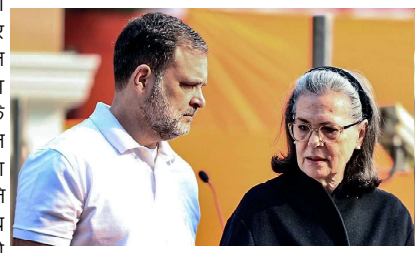

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और दूसरे प्रतिवादियों को नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (म्क) की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए तीन हफ्ते का समय दिया। ट्रायल कोर्ट ने म्क की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। जस्टिस मनोज जैन ने कहा कि मामले की सुनवाई 10 सितंबर को होगी। गांधी परिवार के अलावा, ईडी की याचिका पर सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, यंग इंडियन, डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड और सुनील भंडारी को भी नोटिस जारी

किए गए हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि हम आज इस मामले की सुनवाई नहीं कर सकते। आज दो और मामले हैं जिनका समय तय है। आज का कामकाज का बोझ ज्यादा है। प्रतिवादियों के सीनियर वकील ने ईडी की याचिका का जवाब देने के लिए समय मांगा। म्क की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने बहुत बड़ी गलती की है और बताया कि दो महीने पहले समय दिए जाने के बावजूद अभी तक कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है। उन्होंने तर्क दिया, यह पूरी तरह से कानून का सवाल है। जवाब दाखिल करने के लिए दो महीने पहले समय दिया गया था। मैं जवाब दाखिल करने पर कोई आपत्ति नहीं कर सकता। यह पूरी तरह से कानून का सवाल है। इसके बाद कोर्ट ने आदेश दिया, बहस के लिए 10 सितंबर की तारीख तय की जाए। अगर जवाब अभी तक दाखिल नहीं किया गया है, तो उसे तीन हफ्ते के अंदर दाखिल किया जाए। 22 दिसंबर, 2025 को हाई कोर्ट ने म्क की मुख्य याचिका और 16 दिसंबर के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की उसकी अर्जी पर नोटिस जारी किया था। उस आदेश में कहा गया था कि एजेंसी की शिकायत पर संज्ञान लेना कानून के तहत मान्य नहीं था, क्योंकि यह थ्प्त् पर आधारित नहीं थी। ईडी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस के दिवंगत नेताओं मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस के साथ–साथ सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और यंग इंडियन पर साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया है। एजेंसी का आरोप है कि नेशनल हेराल्ड अखबार छापने वाली कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की लगभग 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति का अधिग्रहण किया गया।

सत्य और सत्याग्रह से डरती है मोदी सरकारः केन–बेतवा परियोजना प्रभावित आदिवासियों के मुद्दे पर बोले राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश में केन–बेतवा परियोजना से प्रभावित आदिवासियों के विरोध प्रदर्शन का हवाला देते हुए सोमवार को आरोप लगाया किशांतिपूर्ण विरोध को पुलिस बल के जरिये दबाया जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि मोदी सरकार 'सत्य और सत्याग्रह' दोनों से डरती है। गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मध्यप्रदेश के आदिवासी जल सत्याग्रह और भूख हड़ताल पर इसलिए बैठे हैं, क्योंकि केन–बेतवा परियोजना के लिए उनकी जमीन छीन ली गई, लेकिन उन्हें न तो उचित मुआवजा मिला और न ही सम्मानजनक पुनर्वास। कांग्रेस नेता ने कहा कि आदिवासी देश के ''पहले मालिक'' हैं और जल, जंगल तथा जमीन पर सबसे पहला हक उनका है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों का सत्याग्रह इसलिए है, क्योंकि उनका यही अधिकार उनसे छीना जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि आदिवासियों की मांग केवल इतनी है कि उन्हें गुजर–बसर के लिए उचित सहारा दिया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बात सुनने के बजाय भाजपा सरकार उनके शांतिपूर्ण विरोध को भी पुलिस बल के जरिये कुचल रही है। उन्होंने कहा, ''हम अपने आदिवासी भाई–बहनों के साथ हैं। उन्हें न्याय दिला कर रहेंगे–मुआवजा और पुनर्वास तो देना ही पड़ेगा।

एक सीए भी एसआईटी में होना चाहिए, 2 हफ्ते में दें स्टेटस रिपोर्ट, राम मंदिर डोनेशन स्कैम पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

अयोध्या। राम मंदिर दान में हेराफेरी के मामले की सुनवाई करते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुझाव दिया कि अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी और हेराफेरी की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को भी शामिल किया जाना चाहिए,

क्योंकि इन आरोपों की प्रकृति वित्तीय और फोरेंसिक है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चार याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की, जिनमें से दो में **CBI** जांच की मांग की गई है। पिछली सुनवाई में, CJI ने SIT के पुनर्गठन का आदेश दिया था, जिसमें सीनियर IAS अधिकारियों की जगह सीनियर **IPS** अधिकारियों की अगुवाई वाली टीम या जांच के मकसद से खास तौर पर एक नई ैप्ज् बनाने को कहा गया था। उम्मीद है कि कल सुप्रीम कोर्ट राज्य की **SIT** द्वारा दाखिल अंतरिम जांच स्टेटस रिपोर्ट पर चर्चा करेगा। सुप्रीम कोर्ट में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि अदालती आदेश के तहत 3 आईपीएस अधिकारियों की नई एसआईटी गठित कर दी गई है। इस टीम में आईजी किरण एस (लखनऊ रेंज), डीआईजी सोमेन वर्मा (अयोध्या रेंज) और एसएसपी गौरव ग्रोवर (अयोध्या) शामिल हैं। मामले में वकील पक्ष ने सवाल उठाया कि ट्रस्ट को बड़े पैमाने पर जन–सहयोग मिला है, जिसे पारदर्शिता के लिए वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वर्ण पदक विजेता मीराबाई चानू और अन्य पदक विजेताओं को बधाई दी

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हो रहे 23वें राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू समेत अन्य

पदक विजेता भारतीय खिलाड़ियों को सोमवार को लोकसभा में बधाई दी गई। सदन की बैठक शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने 23वें राष्ट्रमंडल खेलों में चानू समेत अन्य भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 23वें राष्ट्रमंडल खेलों में मीराबाई चानू ने वेट लिफ्टिंग के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है।'' उन्होंने भारोत्तोलन में ही रजत पदक जीतने वाले ऋषिकांत सिंह चानमबम और राजा मुथुपांडी तथा कांस्य पदक विजेता पैरा पॉवर लिफ्टर झंडु कुमार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया।

दल–बदल कानून में खामियों पर कपिल सिब्बल की याचिका, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को एक PIL पर नोटिस जारी किया। यह PIL कपिल सिब्बल ने दायर की थी, जिसमें संविधान की दसवीं अनुसूची की उस व्याख्या को चुनौती दी गई है जो विधायकों को राजनीतिक पार्टी के विलय के जरिए दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य होने से बचने की इजाजत देती है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद इस याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। भारत के दलबदल विरोधी कानून से जुड़ी ष्बड़ी समस्याओं

का जिक्र करते हुए बेंच ने कहा कि यह कानून विधायिका ने बनाया है। दक्षिण–एशियाईऔर प्रवासी बेंच ने आगे कहा कि ऐसे मुद्दों को आदर्श रूप से सदन के भीतर ही उठाया जाना चाहिए। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि ये ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें आम तौर पर सदन में उठाया जाना चाहिएय अगर ऐसा नहीं होता, तो कम से कम राजनीतिक दलों के सामने तो उठाया ही जाना चाहिए। 10वीं अनुसूची का मकसद विधायकों के बीच के कामकाज के तरीके को रेगुलेट करना है। हमने देखा है कि 10वीं अनुसूची के कामकाज में कई बड़ी दिक्कतें सामने आई हैं। लेकिन इसे बनाया किसने? इसे संसद सदस्यों (डच्) ने ही बनाया है। सिब्बल ने जवाब दिया कि कभी–कभी सांसद भी गलतियाँ कर सकते हैं और हो सकता है कि यह मामला कभी सुलझ ही न पाए क्योंकि इससे सत्ता में बैठे लोगों को फायदा होता है।

37 दिन के सीजेपी आंदोलन पर हुए गुप्त समझौते का सच बताए मोदी सरकारः अखिलेश यादव की मांग

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को परीक्षा से जुड़े मुद्दों को संभालने के तरीके को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई से पता चलता है कि सरकार

जनता की भावनाओं की परवाह नहीं करती। पार्टी ने यह सवाल भी उठाया कि क्या सिस्टम में सुधार किए बिना सिर्फ कड़े कानूनों से ही पेपर लीक को रोका जा सकता है। अखिलेश यादव ने कहा कि इतना बड़ा आंदोलन या तो सरकार की कोशिशों से खत्म हुआ या इसलिए कि सरकार ने छात्रों की मांगें मान लींय सरकार झुक गई है, इसलिए उसे उन खास बातों का खुलासा करना चाहिए जिन पर उसने सहमति जताई है। सरकार ने कहा था कि केस दर्ज नहीं किए जाएंगे, फिर भी केस दर्ज किए जा रहे हैं। बिहार में कई छात्रों को जेल भेज दिया गया। पत्रकारों से बात करते हुए एसपी प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह कई जगहों पर छात्रों और युवाओं के खिलाफ मामले दर्ज करके उन्हें निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को ष्जन–चेतनाष को चुनौती नहीं देनी चाहिए और साथ ही कहा कि बढ़ती जन–जागरूकता खुद सत्ताधारी व्यवस्था के लिए एक चुनौती बन

ई 20 से जुड़े फर्जी एआई वीडियो पर एक्शन, एचसी से मिली मुकदमा चलाने की मंजूरी, अपराध साबित होने पर किसको और कितनी होगी सजा ?

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को सोशल मीडिया पर फैलाई गई कथित मानहानि वाली पोस्ट और डीपफेक कंटेंट के लिए ळववहसम, ग् और डमजं जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के खिलाफ सिविल मानहानि का मुकदमा दायर करने की इजाजत दे दी।ष्बार एंड बेंचष् की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस अभय आहूजा की बेंच ने गडकरी को यह मुकदमा दायर करने की मंजूरी तब दी जब उनके वकील संदीप एस. लड्डा ने दलील दी कि कथित मानहानि वाला कंटेंट मुंबई में यूजर्स के लिए अलग–अलग इंटरनेट प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध था।

इससे बॉम्बे हाई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में मामले का एक बड़ा हिस्सा बनता है।

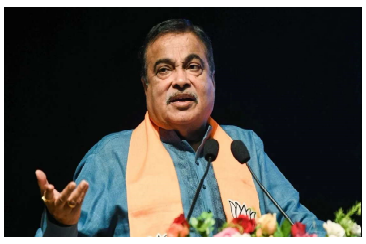

लेटर्स पेटेंट के क्लॉज XII के तहत दायर अपनी याचिका में गडकरी ने आरोप लगाया कि ऑनलाइन गलत, गुमराह करने वाली और मानहानि करने वाली सामग्री पब्लिश की गई, जिसमें उन्हें और उनके परिवार को केंद्र की ई20 (20 प्रतिशत इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल) पॉलिसी से कथित तौर पर होने वाले आर्थिक लाभ से जोड़ा गया। याचिका में कहा गया कि ये आरोप बेबुनियाद हैं क्योंकि इथेनॉल–ब्लेंडिंग पॉलिसी का संचालन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय करता है, न कि गडकरी के नेतृत्व वाला सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय। प्रस्तावित सिविल केस में गडकरी ने कथित तौर पर मानहानि करने वाली सामग्री के पब्लिकेशन और सर्कुलेशन पर स्थायी और अनिवार्य रोक लगाने की मांग की है। इस सामग्री में ऐसा कंटेंट शामिल है जिसमें उन पर झूठे बयान थोपे गए हैं, अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया है, और उनकी सहमति के बिना उनके नाम, तस्वीर, चेहरे के हाव–भाव और आवाज का इस्तेमाल करते हुए ।प् से बनाए गए ऑडियो और विजुअल का इस्तेमाल किया गया है। केंद्रीय मंत्री का दावा है कि इस सामग्री से उनकी प्रतिष्ठा, गुडविल, सम्मान और पब्लिक इमेज को ष्गंभीर और अपूरणीयष नुकसान पहुंचा है, साथ ही उनके पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी अधिकारों का भी उल्लंघन हुआ है।

बीजेपी का गुरु रविदास जयंती पर समरसता संकल्प महाअभियान, 7 महीने चलेगा देशव्यापी आयोजन

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद तरुण चुघ ने सोमवार को घोषणा की कि पार्टी गुरु रविदास की 650वीं जयंती का साल श्संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज समरसता संकल्प अभियानश नाम के एक देशव्यापी अभियान के साथ मनाएगी। यह अभियान 29 जुलाई, 2026 को शुरू होगा और 20 फरवरी, 2027 तक चलेगा। पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, चुघ ने कहा कि सात महीने का यह अभियान 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के दिन शुरू होगा और 20 फरवरी को गुरु रविदास की जयंती पर समाप्त होगा। यह प्रक्रिया 28 जुलाई को वाराणसी में गुरु रविदास की जन्मस्थली से शुरू होगी, जहाँ उस जगह की मिट्टी से भरे 131 कलशों की पूजा की जाएगी। चुघ ने कहा कि 29 जुलाई को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और पार्टी का पूरा नेतृत्व देश भर में इन 131 कलशों की यात्रा को हरी झंडी दिखाएगा। इन कलशों की यात्रा देश के हर राज्य और जिले से गुजरेगी। उन्होंने आगे कहा कि 29 जुलाई से 10 सितंबर के बीच देश भर में 21,000 जगहों पर श्कलश वंदनाश कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान में 29 जुलाई से देश भर के 51,000 मंदिरों में होने वाले कार्यक्रम भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि 29 जुलाई की रात को देश भर के गांवों और मंदिरों में 51,000 जगहों पर श्री गुरु रविदास के सम्मान में दीये जलाए जाएंगे। इसके अलावा, गंगा घाट पर एक ऐतिहासिक दीपमाला कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इससे पहले शुक्रवार को, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री

11 बजे के बाद भी पंचायत भवन पर लटक रहा ताला, घंटों भटकते रहे ग्रामीण

सचिव की अनुपस्थिति से ठप रहे सरकारी कामकाज, बीडीओ बोले–जांच कर होगी कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश रवि जायसवाल

सिद्धार्थनगर। जोगिया विकास खंड की ग्राम पंचायत जोगिया में सोमवार को सरकारी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया। सुबह 11 बजे के बाद भी पंचायत भवन पर ताला लटका मिला, जबकि कार्यालय खुलने का निर्धारित समय काफी पहले बीत चुका था। पंचायत भवन बंद होने से प्रमाण पत्र, पेंशन, आवास, मनरेगा और अन्य सरकारी कार्यों के लिए पहुंचे ग्रामीणों का घंटों इंतजार करना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत सचिव गौरव त्रिपाठी निर्धारित समय तक कार्यालय नहीं पहुंचे, जिसके कारण कई लोगों का जरूरी काम प्रभावित हुआ। काफी देर तक पंचायत भवन नहीं खुलने पर कई ग्रामीण बिना काम कराए ही वापस लौट गए। ग्रामीणों ने कहा कि पंचायत भवनों में कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित न होने से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में लगातार परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। यदि पंचायत भवन नियमित रूप से समय पर नहीं खुलेंगे तो आम लोगों का सरकारी व्यवस्था से भरोसा कमजोर होगा। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों से मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी रामानंद वर्मा ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी और यदि लापरवाही पाई गई तो संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बड़ा सवाल यह है कि जब पंचायत भवन विकास खंड कार्यालय से महज करीब 100 मीटर की दूरी पर स्थित है और अधिकारियों का प्रतिदिन उस मार्ग से आना–जाना होता है, तब भी समय पर कार्यालय न खुलने जैसी स्थिति क्यों बनी रहती है? जबकि जिलाधिकारी द्वारा पंचायत भवनों को निर्धारित समय पर खोलने और आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश समय–समय पर दिए जाते रहे हैं। इसके बावजूद यदि आदेशों का पालन नहीं हो रहा है तो निगरानी व्यवस्था और जवाबदेही दोनों पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं।

गुण्डा नियंत्रण अधिनियम में हरिशंकर पाण्डेय छह माह के लिए जिला बदर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। हरिशंकर पाण्डेय पुर बलिराम पाण्डेय साकिन महतिनिया खुर्द थाना त्रिलोकपुर, जनपद–सिद्धार्थनगर का निवासी है। इसके भय से आम जनता द्वारा इसके विरुद्ध साक्ष्य देने में अब महसूस करती है। आम जनता के हित को इडिगत रखते हुए हरिशंकर पाण्डेय पुत्र बलिराम पाण्डेय को स्वछन्द रहना शान्ति व्यवस्था एवं जनमानस के लिए उचित प्रतीत नहीं होता है। उसके विरुद्ध गु०अ०सं०–71/2020 की धारा–461, 379, 411, 413, 414 मा००वि० व 25 टेलीग्राफ एक्ट थाना त्रिलोकपुर जनपद सिद्धार्थनगर मु०अ०स०–31/2020 धारा 461, 375, 411, 413, 414 आ०८०वि० व 25 टेलीग्राफ एक्ट थाना भवानीगंज जनपद सिद्धार्थनगर मु०अ०सं०–112/2020 धारा 461, 379, 411, 413, 201 व 25 टैलीयाफ एक्ट थाना डुमरियागंज जनपद सिद्धार्थनगर गु०अ०सं० 150/2020 धारा 3(1) उ०प्र० गिरीहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निधारण अधि० थाना डुमरियागंज जनपद सिद्धार्थनगर गु०अ०सं० 03/2020 पारा धारा 461, 379, 411, 413, 414 भा०द०वि० व 25 टेलीग्राफ एक्ट थाना इटवा जनपद सिद्धार्थनगर बीट सूचना रपट संख्या 45 दिनांक 07.12.2022 समय 15:30 बजे भाना त्रिलोकपुर जनपद सिद्धार्थनगर जांच रपट संख्या 45 दिनांक 08.12.2022 समय 23:20 बजे थाना त्रिलोकपुर जनपद सिद्धार्थनगर अन्त में गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा ०३ वी उपधारा 03 के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए जिला बदर किये जाने का अनुरोध किया गया है। हरिशंकर पाण्डेय पुत्र बलिराम पाण्डेय साकिन महतिनिया खुर्द थाना–त्रिलोकपुर, जनपद–सिद्धार्थनगर के विरुद्ध न्यायालय द्वारा निर्गत नोटिस दिनांक 23.02.2023 की पुष्टि करते हुए विपक्षी को 30५० गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1970 में उपवन्धित प्रविधानों के अन्तर्गत 06 माह के लिए जनपद सिद्धार्थनगर की सीमा से निष्कासित किया जाता है तथा निर्देशित किया जाता है कि विपक्षी निर्देशित अवधि तक जनपद की सीमा में प्रवेश नहीं करेगा।

अख्तर हुसैन उर्फ मुन्नू छह माह के लिए जिला बदर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अख्तर हुसैन उर्फ मुन्नू साकिन–खलीलपुर टोला गाँहनिया थाना–मोहाना जनपद–सिद्धार्थनगर द्वारा भा०द०वि० क अध्याय 16,17 व 22 में वर्णित अपराध कारित करके आम शान्ति जनता में भय व्याप्त कर दिया है, जिससे आम जनता के मध्य हमेशा खतरा बना रहने लगा है। इसके भय से शान्तप्रिय जनता द्वारा इसके विरुद्ध साक्ष्य देने में भय महसूस करती है। आम जनता के हित को दृष्टिगत रखते हुए अभियुक्त अख्तर हुसैन उर्फ मुन्नू को स्वध्यद रहना शान्ति व्यवस्था एवं जनमानस के लिए उचित प्रतीत नहीं होता है। उसके विरुद्ध मु०अ०सं०– 61/2020 धारा 354, 504, 506 भा०द०वि० 7/8 पाक्सो एक्ट थाना मोहाना (अरोपपत्रित ए–1 दिनांक 21.05.2020) मु०अ०सं० 750/16 धारा 147, 148, 323, 504, 506, 427 भा०द०वि० थाना मोहाना (आरोपपत्रित ए–1 दिनांक 01.06.2016) क०सं० निल/19 धारा 110जी सी०आर०पी०सी० थाना मोहाना (रि०चा०दिनांक 06.06.2020 चीट सूचना रपट संख्या 32 समय 14रू20 बजे दिनांक 13.06.2020 थाना मोहाना जनपद सिद्धार्थनगर दर्ज है।

अन्त में गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1970 की धारा 3(3) के अन्तर्गत कार्यवाही किये जाने हेतु आख्या प्रेषित की गयी है। अख्तर हुसैन उर्फ मुन्नू साकिन–खलीलपुर टोला गाँहनिया थाना–मोहाना जनपद–सिद्धार्थनगर के विरुद्ध न्यायालय द्वारा निर्गत नोटिस दिनांक 09.07.2020 की पुष्टि करते हुए विपक्षी को उ०प्र० गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1970 में उपबन्धित प्रविधानों के अन्तर्गत 06 माह के लिए जनपद सिद्धार्थनगर की सीमा से निष्कासित किया जाता है तथा निर्देशित किया जाता है कि विपक्षी निर्देशित अवधि तक जनपद की सीमा में प्रदेश नहीं करेगा।

सजनी चौराहे पर चोरी की बाइक बरामद, पुलिस ने परिजनों को सौंपी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जोगिया उदयपुर थाना पुलिस ने सजनी चौराहे पर चेकिंग के दौरान एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर उसके वास्तविक मालिक के परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से चोरी हुए वाहन को सुरक्षित उसके स्वामी तक पहुंचाया जा सका। पुलिस के अनुसार, सजनी चौराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच के दौरान एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल काफी देर से लावारिस हालत में खड़ी मिली। वाहन के संबंध में आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन कोई संतोषजनक जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद पुलिस ने वाहन की चेचिस संख्या के आधार पर ई–चालान ऐप से जांच की। जांच में मोटरसाइकिल का पंजीकरण नंबर यूपी 55 एबी 0455 मिला, जो आकाश पुत्र इंद्रजीत निवासी गोहर, थाना बांसी, जनपद सिद्धार्थनगर के नाम पर पंजी.त पाई गई। इसके बाद जोगिया उदयपुर पुलिस ने थाना बांसी से संपर्क कर वाहन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। थाना बांसी से मिली जानकारी के अनुसार, इस मोटरसाइकिल की गुमशुदगी की ऑनलाइन शिकायत 11 जुलाई 2026 को शिकायत संख्या 20260000698686 के माध्यम से विकास पुत्र इंद्रजीत द्वारा दर्ज कराई गई थी। सूचना की पुष्टि होने पर पुलिस ने वाहन स्वामी के पिता इंद्रजीत तथा विकास को थाना बुलाया।सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस ने बरामद मोटरसाइकिल को उसके वास्तविक मालिक के परिजनों के सुपुर्द कर दिया। परिजनों ने वाहन मिलने पर पुलिस की कार्रवाई की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध वाहन या व्यक्ति की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। साथ ही वाहन मालिकों को अपने वाहनों के दस्तावेज सुरक्षित रखने और सुरक्षा संबंधी आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह भी दी गई है।

बूचड़मंडी के पास जानवरों के अवशेष फेंकने से नाराज लोगों ने किया सड़क जाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत के शिवनगर वार्ड स्थित बूचड़मंडी के आसपास जानवरों के अवशेष फेंके जाने और फैली गंदगी से नाराज स्थानीय लोगों ने सोमवार की शाम सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव, अधिशासी अधिकारी (ईओ) शिव कुमार और थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों से वार्ता कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम समाप्त करा दिया गया। स्थानीय निवासी मनीष कुमार वर्मा, निखिल वर्मा और सूरज ने बताया कि बूचड़मंडी के कुछ दुकानदार जानवरों का वध करने के बाद मांस के अवशेष सड़क पर ही फेंक देते हैं। इससे क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध फैल रही है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि इस संबंध में कई बार जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसी से नाराज होकर लोगों ने सड़क जाम किया। मनीष वर्मा ने यह भी बताया कि बूचड़मंडी के पीछे एक धार्मिक स्थल स्थित है, जहां विवाह जैसे मांगलिक अवसरों पर महिलाएं मिट्टी पूजन के लिए आती हैं। ऐसे में आसपास फैली गंदगी और दुर्गंध से श्रद्धालुओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। मौके पर पहुंचे तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव ने ईओ को निर्देश दिया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं ईओ शिव कुमार ने कहा कि जो भी दुकानदार सड़क या सार्वजनिक स्थान पर जानवरों का वध अथवा मांस की बिक्री करते हुए पाया जाएगा, उसके विरुद्ध जुर्माना लगाने के साथ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि दो दिन बाद पवित्र सावन माह शुरू हो रहा है। ऐसे में कोई भी अंडा, मांस या मछली विक्रेता यदि सड़क या गली में खुलेआम बिक्री करता पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राध्या राजपूत ने शानदार प्रदर्शन से जीता किड्स मॉडल का ताज

भव्य आयोजन में मश्डलिंग, डांस और सांर.तिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां, विजेताओं का हुआ सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले की उभरती प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के उद्देश्य से सिद्धार्थनगर डांस क्लासेस द्वारा आयोजित श्राइज अप 2.0श रविवार को रॉयल ग्रीन में भव्यता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मॉडलिंग प्रतियोगिता, रंगारंग सांस्तिक प्रस्तुतियों और सम्मान समारोह से सजे इस आयोजन में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का ऐसा प्रदर्शन किया कि पूरा सभागार देर रात तक तालियों की गूंज से गूंजता रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। आयोजन का नेतृत्व गोविन्द साहनी एवं ओमकेश्वर मल्ल ने किया, जबकि शयाली मौर्या ने इवेंट मैनेजर के रूप में पूरे कार्यक्रम का सफल समन्वय किया। मंच संचालन मोटिवेशनल स्पीकर इमरान खान ने अपनी प्रभावशाली शैली से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक केंद्र मॉडलिंग प्रतियोगिता रही, जिसमें जिले भर से आए प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास और शानदार प्रस्तुति से निर्णायकों का दिल जीत लिया। कड़े मुकाबले के बाद हर्ष श्रीवास्तव ने श मि स्ट र सिद्धार्थनगर–2026श का खिताब अपने नाम किया, जबकि आशी श्रीवास्तव ने शमिस सिद्धार्थनगर–2026श का ताज पहनकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। किड्स जूनियर वर्ग में राध्या राजपूत विजेता घोषित की गईं। प्रतियोगिता के निर्णायक वर्ष 2018 के मिस्टर इंडिया विजेता एवं अंतरराष्ट्रीय मॉडल कोच हर्षवर्धन सिंह (दिल्ली) रहे। उन्होंने प्रतिभागियों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि सिद्धार्थनगर में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल सही मंच और मार्गदर्शन की है। कार्यक्रम में डॉ. सौरभ गुप्ता मुख्य अतिथि, शक्ति जायसवाल विशिष्ट अतिथि तथा जीवंत फाउंडेशन के संस्थापक पंकज सिद्धार्थ, नितेश पाण्डेय, अमित त्रिपाठी और संतोष श्रीवास्तव मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अखिलेश सहानी, जय प्रताप यादव, अभिषेक कन्नौजिया, एडवोकेट ज्योति सिंह, रत्नेश श्रीवास्तव, सौरभ शर्मा एवं रजनीश त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को सम्मान–पत्र तथा सहयोगियों को स्मृति–चिह्न प्रदान किए गए। जीवंत फाउंडेशन की ओर से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अतिथियों और विजेताओं को पौधे भेंट किए गए। आयोजकों ने कहा कि श्राइज अपश केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि जिले की प्रतिभाओं को नई उड़ान देने का अभियान है। भविष्य में भी ऐसे आयोजन नियमित रूप से किए जाएंगे, ताकि सिद्धार्थनगर की प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी अलग पहचान बना सकें।

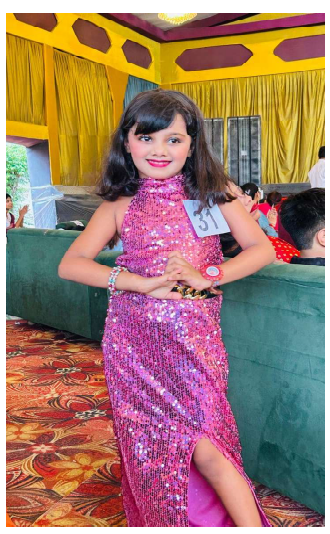

कार्यालय नगर पंचायत शोहरतगढ़ जनपद- सिद्धार्थनगर

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में मुख्यमन्त्री वैश्विक नगरोदय योजना (CM-VNY) के अन्तर्गत अनु सचिव, उ०प्र० शासन, नगर विकास अनुभाग–6, लखनऊ द्वारा जारी निदेशक, नगरीय निकाय निदेशालय को सम्बोधित शासनादेश संख्या–1/1370786/2026/नौ–6–2026/ई–2060036, दिनांक : 19.06.2026 एवं शासनादेश संख्या–1/1377838/2026/नौ–6–2026/ई–2060450, दिनांक : 29.06.2026, को नगरीय सेवाएं और अवस्थापना विकास परियोजनाओं योजनार्न्तगत नगर पंचायत शोहरतगढ़, जनपद –सिद्धार्थनगर हेतु पृथक –पृथक रूप से प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये गये धनराशियों से आनलाइन ई –निविदा प्रतिशत दरों पर आमन्त्रित की जाती है। जिससे सम्बन्धित समस्त जानकारी ई–प्रोक्योरमेन्ट/निविदा आनलाइन पोर्टल https://etender-up-nic-in से प्राप्त की जा सकती है एवं निविदाओं के आमन्त्रण एवं खोलने की तिथि व स्थान का विवरण निम्नवत है–

A	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशन की तिथि/समय	28.07.2026
B	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि/समय	28.07.2026 अपरान्ह 02:00 बजे से
C	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	17.08.2026 अपरान्ह 02:00 बजे से
D	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि/समय	18.08.2026 पूर्वान्ह 3:00 बजे तक
E	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि/समय	19.08.2026 सांय 4:00 बजे तक
F	ई–निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय आर्दश नगर पंचायत शोहरतगढ़

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत- शोहरतगढ़
जनपद-सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत- शोहरतगढ़
जनपद-सिद्धार्थनगर

पत्रांक :– 247/आ0न०पं०शो०सि०नगर/2026–27 | दिनांक–27.07.2026

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर भाजपा ने लिया समरसता का संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष श्री दीपक मौर्या की अध्यक्षता में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर 'समरसता संकल्प अभियान' को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि विधायक राजा जय प्रताप सिंह रहे। कार्यक्रम में जिले के सभी जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं मंडल पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज ने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से समाज को समानता, भाईचारे, प्रेम और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकता, मानवता और समरसता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर सामाजिक समरसता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने बताया कि 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक 'समरसता संकल्प अभियान' के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के विचारों, सामाजिक संदेश और समरस समाज की स्थापना के संकल्प को जन–जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने गुरु पूर्णिमा के कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के विभिन्न मठ–मंदिरों के पुजारियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए जिला उपाध्यक्ष श्री विजयकांत चतुर्वेदी को गुरु पूर्णिमा अभियान का जिला संयोजक बनाया गया है। मुख्य अतिथि विधायक श्री राजा जय प्रताप सिंह ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज ने समाज को मानवता, समानता, प्रेम और सद्भाव का मार्ग दिखाया। उनके विचार किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन द्वारा दिए गए प्रत्येक निर्देश का सभी कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ पालन करना चाहिए। डिजिटल लर्निंग कार्यक्रम के माध्यम से कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है, ताकि प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा, कार्यक्रमों और अभियानों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचा सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 'मन की बात' कार्यक्रम को नियमित रूप से सुनने और उसके संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का भी आह्वान किया। विधायक राजा जय प्रताप सिंह ने कहा कि हम सभी कार्यकर्ताओं के सामने वर्ष 2027 का लक्ष्य है। भाजपा की सरकार बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को अभी से पूरी सक्रियता के साथ जुटना होगा। प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित करना, संगठन को मजबूत करना और जनता से निरंतर संपर्क बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर मजबूत संगठन ही चुनावी सफलता का आधार है। इसलिए सभी कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ प्रत्येक बूथ पर सक्रिय भूमिका निभाएं। पूर्व विधायक राघवेंद्र सिंह ने भी कार्यशाला को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती और पार्टी के अभियानों को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की शक्ति कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और सक्रियता से बढ़ती है। कार्यशाला में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को 'समरसता संकल्प अभियान' के कार्यक्रमों, उद्देश्यों और संगठनात्मक रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सभी कार्यकर्ताओं ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री फूलचंद जायसवाल ने किया। आशीष शुक्ला को अभियान का संयोजक तथा अविनाश सिंह, सिद्धार्थ पाठक, श्री रामनारायण एवं शिव विलास कन्नौजिया को जिला सह–संयोजक बनाया गया। कार्यक्रम का समापन पूर्व जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शीतल सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव, पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीमती साधना चौधरी, रामकुमार कुंवर, बृजबिहारी मिश्रा, लालजी त्रिपाठी 'लाल बाबा', कन्हैया पासवान, वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप चतुर्वेदी, रवि अग्रवाल, राजेंद्र पांडेय, पवन मिश्रा, श्री फतेह बहादुर सिंह, पंकज जायसवाल, रमेश मणि त्रिपाठी, जगजीवन गौण अर्चिष्मान मिश्र, श्रीमती अनुपमा सिंह , राजू शाही, अशोक अग्रहरि, सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, नगर पंचायत अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मचान विधि से खेती किसानों का बढ़ा रही उत्पादन और आय

दैनिक बुद्ध का संदेश

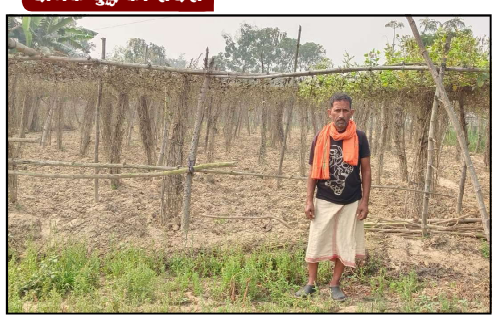

सिद्धार्थनगर। जनपद के सब्जी उत्पादक किसान अब पारंपरिक खेती के साथ–साथ मचान विधि अपनाकर उत्पादन और आय दोनों में बढ़ोतरी कर रहे हैं। उद्यान विभाग के मार्गदर्शन में जिले के कई किसानों ने लौकी, तोरई, करेला, खीरा, सेम समेत अन्य बेल वाली सब्जियों की खेती मचान पर शुरू की है। इससे फसल की गुणवत्ता बेहतर होने के साथ उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल रही है। मचान विधि, जिसे सहारा पद्धति या बेलदार सब्जियों की खेती भी कहा जाता है, किसानों के लिए काफी लाभदायक साबित हो रही है। इस तकनीक में खेत में मजबूत खंभों, तारों अथवा बांस के सहारे जाल तैयार किया जाता है, जिस पर बेल वाली फसलें जमीन पर फैलने के बजाय ऊपर की ओर बढ़ती हैं। इससे पौधों को पर्याप्त धूप और हवा मिलती है, रोगों का प्रकोप कम होता है तथा सब्जियां दाग–धब्बों से मुक्त और बेहतर गुणवत्ता की प्राप्त होती हैं। कई वर्षों से इस तकनीक को अपनाने वाले जनपद के किसान सच्चिदानन्द, निर्मला, ज्ञानदास और गोवर्धन ने बताया कि मचान विधि से खेत का बेहतर उपयोग होता है। फसल की देखभाल, सिंचाई और तुड़ाई आसान हो जाती है। साथ ही फल जमीन के संपर्क में नहीं आते, जिससे उनके सड़ने और खराब होने की संभावना काफी कम हो जाती है। जिला उद्यान अधिकारी विमल कान्त ने बताया कि किसानों को प्रशिक्षण देकर इस तकनीक को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनपद के अधिकांश क्षेत्रों में जलभराव की समस्या रहती है, ऐसे में मचान विधि अपनाने से सब्जियों की उपज में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। इससे किसानों की आमदनी में भी इजाफा हो रहा है। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों से इस आधुनिक तकनीक को अपनाकर लाभ उठाने की अपील की।

सिद्धार्थनगर में दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र हेतु 28 जुलाई से मेडिकल कैंप

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले के परिषदीय, सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययनरत विशिष्ट आवश्यकता वाले (दिव्यांग) बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने के लिए 28 जुलाई से 21 अगस्त तक सभी 14 विकास खंडों में मेडिकल असेसमेंट कैंप आयोजित किए जाएंगे। जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा) करुणापति त्रिपाठी ने बताया कि संबंधित ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक विशेषज्ञ चिकित्सकों की मौजूदगी में बच्चों का चिकित्सीय परीक्षण कर दिव्यांगता का आकलन किया जाएगा। पात्र बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी, जिससे उन्हें शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

रामकृष्ण चौरसिया कंप्यूटर आपरेटर संघ के जिलाध्यक्ष चुने

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कंप्यूटर ऑपरेटर एवं सहायक लेखाकार वेलफेयर एसोसिएशन, बेसिक शिक्षा विभाग की जनपद स्तरीय बैठक रविवार को गूगल मीट के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में जनपद के सभी विकास क्षेत्रों में स्थापित ब्लॉक संसाधन केंद्रों में कार्यरत सहायक लेखाकारों और कंप्यूटर ऑपरेटरों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। बैठक में संगठन की एकजुटता, कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान तथा संगठन को प्रभावी और मजबूत बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से जिला कार्यकारिणी का गठन किया। इसमें बीआरसी नौगढ़ के सहायक लेखाकार राम कृष्ण चौरसिया को अध्यक्ष, बीआरसी डुमरियागंज के कंप्यूटर ऑपरेटर विजय श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष, बीआरसी बर्डपुर के सहायक लेखाकार अभिनव श्रीवास्तव को महामंत्री, बीआरसी बांसी के सहायक लेखाकार रणवीर सिंह को कोषाध्यक्ष तथा बीआरसी बर्डपुर के कंप्यूटर ऑपरेटर अमित श्रीवास्तव को मीडिया प्रभारी चुना गया। जिला कार्यकारिणी के गठन के बाद सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को संगठन के सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी सदस्य एकजुट होकर अपने कर्तव्यों और दायित्वों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। साथ ही कर्मचारियों के हितों से जुड़े विषयों को उचित मंच पर मजबूती से उठाते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। आनलाइन बैठक में जुड़े सभी कंप्यूटर आपरेटरों ने आपसी एकता और सहयोग पर विशेष बल दिया।

निपुण संकल्प कार्यशाला का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बेसिक शिक्षा विभाग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को धरातल पर लागू करने के उद्देश्य से जनपद बलरामपुर और सिद्धार्थनगर जिले के खण्ड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक, डायट मेंटर व वरिष्ठ प्रवक्ता, एसआरजी, एआरपी की एक दिवसीय कार्यशाला सोमवार को शहर के शुभम होटल में हुई। कार्यशाला में मुख्य अतिथि बीएसए शैलेश कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करते हुए किया। कहा कि सभी लोग इस कार्यशाला की सीख प्रत्येक विद्यालय तक पहुंचाकर सीखने में पिछड़ रहे बच्चों की मदद करेंगे। विशेष रूप से ग्रामीण अभिभावकों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है। बच्चों की भाषा समृद्ध करने के लिए हर दिन मातृभाषा और कुछ नए शब्दों पर चर्चा करेंगे, इससे उनमें समझ विकसित होगी। प्रत्येक विद्यालय में अखबार पठन को धरातल पर उतारने की आवश्यकता है। शिक्षक और छात्र का वह संबंध है कि यदि एक बच्चा सफल होता है तो सबसे ज्यादा प्रसन्नता उसके शिक्षक को होगी। गर्व नागपाल, श्वेता किरन, देवम त्रिपाठी ने भाषा के महत्व को समझाते हुए कहा कि भाषायी समझ जिसके जीवन में प्रभावी हो जाती है वह जीवन के कार्यों को सहजता से पूर्ण कर सकता है। विद्यालय में शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ावा देने हेतु दस पॉइंट टूल्स, कैच अप कार्यक्रम, शिक्षण अधिगम सामग्री, बाल वाटिका में खेल–खेल में शिक्षण कार्य इत्यादि के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है एवं आज के प्रशिक्षण सत्र में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने एवं अधिगम स्तर प्राप्त करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही अवगत कराया गया कि बच्चे बचपन में कक्षा एक एवं दो में पढ़ने के लिए सीखते हैं वही बड़े होकर सीखने के लिए पढ़ते हैं, यही निपुण भारत मिशन की संकल्पना है। इस दौरान डीसी निपुण आशीष कुमार सिंह, बीईओ अशोक सिंह, धर्मेंद्र पाल, ओमप्रकाश मिश्र, महेंद्र कुमार, भूपेंद्र सिंह, डीसी प्रशिक्षण आशीष कुमार मिश्रा, अंकित तिवारी, अमित शुक्ला, नवीन कुमार सिंह, आलोक शर्मा, वैभव श्रीवास्तव, पशुपतिनाथ दूबे, सत्येंद्र बहादुर सिंह, रूपेश सिंह, उत्कर्ष श्रीवास्तव, अनिरुद्ध मौर्या, मारुति नंदन, प्रशांत सिंह, रितेश सिंह, अपूर्व श्रीवास्तव, प्रतिमा सिंह, महमूदुल हक आदि रहे।

गोहत्या पर केंद्रीय कानून की मांग को लेकर विहिप का प्रदर्शन, राष्ट्रपति–प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विश्व हिंदू परिषद (विहिप), बजरंग दल और गो सम्मान आह्वान अभियान से जुड़े सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर गोहत्या पर पूरे देश में एक समान केंद्रीय कानून लागू करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने गोसंरक्षण के समर्थन में नारे लगाए और अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया। अभियान से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि सिद्धार्थनगर जनपद से लगभग तीन लाख नागरिकों के हस्ताक्षरों वाला प्रार्थना–पत्र सरकार को भेजा गया है। उनका दावा है कि देशभर से 15 करोड़ से अधिक लोगों के हस्ताक्षरों के साथ ज्ञापन केंद्र सरकार तक पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान पिछले छह माह से देशभर में चलाया जा रहा है और इसका उद्देश्य गोसंरक्षण से जुड़े मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना है। दोपहर में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता निर्धारित स्थल पर एकत्र हुए, जहां गोपूजन, शंखनाद और सामूहिक मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद सभी कार्यकर्ता झंडे, बैनर और अभियान के संदेश लिखे प्लेकार्ड लेकर प्रार्थना यात्रा के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे। यात्रा के दौरान गोसंरक्षण के समर्थन में नारे लगाए गए और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को रखा गया। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में केंद्र सरकार से पूरे देश में गोहत्या पर समान केंद्रीय कानून लागू करने, गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने, केंद्रीय गो मंत्रालय की स्थापना करने, गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने, राष्ट्रीय गो–चारा नीति लागू करने तथा कृषि, पर्यावरण, चिकित्सा, शिक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी नीतियों में गो–आधारित व्यवस्था को शामिल करने सहित 30 से अधिक मांगें की गई हैं। पदाधिकारियों ने बताया कि अभियान के पहले चरण में 27 अप्रैल को देश की करीब पांच हजार तहसीलों के माध्यम से पांच करोड़ से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षरों वाला ज्ञापन सरकार को सौंपा गया था। उनका कहना है कि मांगों पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं होने के कारण दूसरे चरण में सोमवार को देश के सभी जिलों से पुनः हस्ताक्षर अभियान चलाकर अनुस्मारक प्रार्थना–पत्र भेजे गए हैं। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि गोमाता केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, कृषि व्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण का भी महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो अभियान को आगे भी चरणबद्ध और लोकतांत्रिक तरीके से जारी रखा जाएगा। विहिप जिलाध्यक्ष ब्रजेश पाण्डेय के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला मंत्री शिवाजी, उपाध्यक्ष संतोष गुप्त, विभाग संयोजक अजय प्रताप, धर्म प्रसार प्रमुख आशीष सिंह, सुरक्षा प्रमुख अजय सिंह, बजरंग दल के प्रेमचंद, श्याम सुंदर (सुमेर), शारदा प्रसाद, राजा मिश्र, राहुल अग्रहरि, शिवम कश्यप, आभास सिंह, हरिश्चंद्र, अरुण मिश्र, कैलाशपति त्रिपाठी, अर्जुन मधेसिया, बृजेश मिश्र सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, संत–महात्मा, किसान, व्यापारी और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर लगातार पांचवीं बार बना पुलिस हॉकी चौंपियन, बस्ती को पेनाल्टी शूटआउट में हराया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पुलिस लाइंस मैदान में सोमवार को गोरखपुर जोन की 74वीं अंतरजनपदीय पुलिस हॉकी प्रतियोगिता–2026 का शानदार समापन हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन खेले गए पुरुष और महिला वर्ग के फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पुरुष वर्ग में मेजबान सिद्धार्थनगर पुलिस टीम ने बस्ती को रोमांचक मुकाबले में पेनाल्टी शूटआउट के जरिए 3–1 से हराकर लगातार पांचवीं बार चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं महिला वर्ग में गोंडा की टीम ने कुशीनगर को 3–2 से मात देकर खिताब अपने नाम किया।पुरुष वर्ग का फाइनल मुकाबला सिद्धार्थनगर और बस्ती के बीच खेला गया। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने तेज रफ्तार और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने कई बार विपक्षी गोलपोस्ट पर हमले किए, लेकिन दोनों टीमों की मजबूत रक्षा पंक्ति और गोलकीपरों के शानदार प्रदर्शन के चलते निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इसके बाद विजेता का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से हुआ, जिसमें सिद्धार्थनगर ने शानदार खेल दिखाते हुए बस्ती को 3–1 से हराकर लगातार पांचवीं बार ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।महिला वर्ग का फाइनल मुकाबला भी बेहद रोमांचक रहा। गोंडा और कुशीनगर की टीमों ने पूरे मैच के दौरान बेहतरीन तालमेल और तेज आक्रमण का प्रदर्शन किया।

निर्धारित समय तक मुकाबला बराबरी पर रहने के बाद मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से हुआ, जिसमें गोंडा की खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए कुशीनगर को 3–2 से हराकर चौंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया।प्रतियोगिता के समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। सिद्धार्थनगर के मुख्य आरक्षी महेंद्रनाथ शर्मा और बस्ती के मुख्य आरक्षी साजिद को संयुक्त रूप से प्रतियोगिता का उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन और खिलाड़ियों के उत्कृष्ट खेल की अधिकारियों एवं उपस्थित दर्शकों ने सराहना की।

सम्पादकीय

सरकार जिम्मेदारी से करे सुधारों की पहल

निस्संदेह, परीक्षा में धोखाधड़ी के खिलाफ प्रस्तावित कठोर कानून, फास्ट–ट्रैक कोर्ट और सख्त सजा आवश्यक कदम हो सकते हैं, लेकिन सिर्फ कठोर कानून मात्र से बिगड़ा हुआ ढांचा ठीक नहीं होगा। वास्तव में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और सार्वजनिक परीक्षाओं के स्वरूप में पारदर्शिता, तकनीकी सुरक्षा और स्वतंत्र निगरानी जरूरी है। संसद में इन सुधारों पर गंभीर चर्चा ...

नीट पेपर लीक और अन्य परीक्षाओं से जुड़ी अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों ने जो कई सप्ताह लंबा आंदोलन चलाया,उसकी तार्किक परिणति सबके सामने है। सरकार को छात्र आंदोलन के सामने झुकना पड़ा। जिसके फलस्वरूप शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ। एक बार फिर मोदी सरकार को आंदोलनकारियों के दबाव में फैसला लेना पड़ा। भाजपा के नेता कहते रहे हैं कि इस सरकार में मंत्रियों के इस्तीफे नहीं हुआ करते। युवाओं के इस आंदोलन ने किसान आंदोलन की याद ताजा कर दी, जब सरकार को किसानों के एक साल चले आंदोलन के बाद तीन कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। वहीं सरकार को उस संकट को स्वीकार करना पड़ा, जो भारतीय शिक्षा व्यवस्था में दशकों से शिकंजा कसे हुआ था। बहरहाल, सड़कों पर उतरे छात्रों के आंदोलन से साफ संदेश सामने आया कि अब भारत के युवा उस सिस्टम से जवाबदेही मांग कर रहे हैं, जो उनके भविष्य का निर्धारण करता है। एक और बात स्पष्ट रूप से सामने आई है कि युवाओं के इस आंदोलन ने देश के समक्ष मौजूदा दो सबसे बड़ी चुनौतियों– शिक्षा और बेरोजगारी को फिर सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। ऐसा नहीं है कि इन मुद्दों पर चर्चा पहले नहीं हुई। लेकिन यह महज नीतियां बनाने और चुनावी भाषणों में चर्चा तक सीमित रह गया था। विडंबना यह है कि देश में एक के बाद एक आई सरकारों ने कभी इस चुनौती का सीधे तौर पर मुकाबला वहीं इस छात्र आंदोलन ने यह भी साबित किया है कि हम जिस पीढ़ी को अक्सर महज 'डिजिटल दुनिया में खोई हुई' पीढ़ी मानते रहे हैं, वह पीढ़ी संस्थागत सुधारों के लिये पूरी चेतना के साथ सामने आ सकती है। निस्संदेह, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद केंद्र को आत्ममंथन करना चाहिए। लेकिन सुधार की उसकी इच्छा महज मंत्रियों और अधिकारियों को हटाने तक ही सीमित न रहे। ऐसी स्थिति में जब शिक्षा में सीमित सीटों और नौकरियों के लिये लाखों प्रतियोगी कड़ा मुकाबला करते हैं, सरकार सोचे कि प्रवेश परीक्षाओं को कैसे पारदर्शी व फूलप्रूफ बनाया जाए। इन्हें कितनी जिम्मेदारी के साथ आयोजित किया जाता है, इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। निस्संदेह, परीक्षा में धोखाधड़ी के खिलाफ प्रस्तावित कठोर कानून, फास्ट–ट्रैक कोर्ट और सख्त सजा आवश्यक कदम हो सकते हैं, लेकिन सिर्फ कठोर कानून मात्र से बिगड़ा हुआ ढांचा ठीक नहीं होगा। वास्तव में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और सार्वजनिक परीक्षाओं के स्वरूप में पारदर्शिता, तकनीकी सुरक्षा और स्वतंत्र निगरानी जरूरी है। संसद में इन सुधारों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्ष भी समझ ले कि छात्रों के भविष्य को राजनीतिक बाजीगरी का अखाड़ा नहीं ही बनाया जाना चाहिए। भारत आज एक युवा देश है, जिसकी आधी से ज्यादा आबादी तीस साल से कम उम्र वाली है। ऐसे में हमें एक ऐसे शिक्षा तंत्र की जरूरत है, जो युवाओं का भरोसा कायम करे। साथ ही योग्य प्रतिभागियों को न्याय मिले। एक संदेश साफ है कि अब जेन–जी को गंभीरता से लेना होगा।

पालकी और प्रकृति

पालकी। बहुत पुरानी पीढ़ी को इसका अनुभव होगा। फिर अनेक ऐसे होंगे जिन्होंने इसे देखा होगा। पालकी को आते–जाते। चार–पांच लोग मिलकर ले जाते। मुझे भी थोड़ा अनुभव है। 1983 में। मैं 10 वर्ष का था। लखीसराय के नंदनामा से जमुई के घोंघसा बारात गई थी। मुकेश दा दूल्हा थे। मैं सहवाला (दूल्हा के साथ एक छोटा बच्चा)। दुआर लगने के लिए पालकी से गया था। हाल में ही बरबीघा के पांक गांव में ऐसी ही तस्वीर दिखी। पालकी वाली। यानी दूल्हा–दुल्हन को ले जाने के लिए पालकी कहीं–कहीं आज भी चलन में है। अब लगता है पुराने दिनों में लौटना होगा। ईंधन लगातार महंगा और किल्लत ऊपर से। ऐसे में उस दौर की बातें याद आनी लाजिमी हैं। तब यह महज रिवाज था, जरूरत नहीं। आज के वक्त में लगता है कि जरूरत ही न बन जाये। खैर, शायद पहले जमींदार भी पालकी से जाते थे। एक शान के तौर पर। इसी तरह गांव की नयी बहू भी पालकी पर आती, जाती थी। यह भी एक सम्मान और पर्दे का प्रतीक था। जमींदार को लेकर बरबीघा का अनुभव लिखते हुए दिनकर जी लिखते हैं, 'तेउस गांव के जमींदार दोहरा जीवन जीने के आदि थे। गांव से बाहर आने के लिए वे पालकी से निकलते थे और गांव के बाहर निकल कर वे पैदल जाते थे..!' अब एक बात प्राकृतिक सुगंध की। रात्रि में जैसे ही दरवाजे पर दस्तक दी, एक भीनी–मीठी सुगंध भीतर तक समाती चली गई। एक बारगी चौंक गया। अरे, अभी तो हरसिंगार, रात की रानी इत्यादि में फूल भी नहीं हैं, फिर यह मीठी सुगंध कहां से...! सर उठाया तो मधु मालती, गुलाबी और सफेद पंखुड़ी रूपी आंचल के पीछे से मुस्कुरा रही थी। तब भी मैं इधर–उधर देखने लगा, शायद कोई फूल खिला हो... पर कोई नहीं था। फिर नासिका को मधु मालती के पास ले गया। अरे, सच में यह तो इसी की सुगंध है...! पहली बार यह जाना। मधु मालती भी इतनी भीनी सुगंध बिखेरती है। पहली बार इसलिए, क्योंकि आज से पहले इसे गांव में जंगल–झाड़ में उगा हुआ, खिला हुआ देखता रहा। घर में भी रही तो दृष्टि नहीं पड़ी। क्योंकि इसे सर्वहारा ही मानता था। पर आज इसे अभिजात्य वर्ग जैसा पाकर विश्वास नहीं हुआ.. आज माना, सुगंध और सौंदर्य सर्वहारा और अभिजात्य में विभेद नहीं करते। प्रकृति का तो अपना अंदाज है। सुगंध है तो सबके लिए और खूबसूरती है तो सबके लिए।

शिक्षा व्यवस्था में भरोसा पैदा करने की जरूरत

जंतर–मंतर का धरना इसलिए हुआ क्योंकि लाखों नौजवानों को अपनी शिक्षा की परिणति व परीक्षा के अर्थहीन होने का संकट नजर आने लगा। यही कारण है कि दिल्ली में ही नहीं बल्कि बिहार के अलग–अलग स्थानों, जयपुर और जम्मू से लेकर महाराष्ट्र तक युवाओं का गुस्सा सड़कों पर नजर आता है। भरोसा यूं बिगड़ता है कि तत्काल संवाद स्थापित न होने की जगह जिस नियंत्रक...

जब भरोसा ही खत्म होने लगे। व्यवस्था की आधारभूत नींव हिलती नजर आए। युवा संवादहीनता की स्थिति में पहुंच जाएं। तब वही होता है जो छात्र आंदोलन के रूप में पिछले दिनों सामने आया। वर्तमान स्थिति से असंतुष्ट होने पर ही आक्रोश पैदा होता है। जब मूलभूत सपने देखने का साहस भी खंडित होने लगे तो आक्रोश पैदा होता है। यह आक्रोश बहुत दिन तक अपने लिए कोई समाधान तलाशता है। लेकिन जब सब चलता है का वातावरण हो और तंत्र उदासीन होता है तो प्रतिरोध के सिवाय और कोई विकल्प नहीं रहता। शिक्षा विकासशील भारत के लिए एक आधारभूत नींव है, जब यही नींव लड़खड़ाने लगे तो युवा शक्ति निराश होकर कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार हो जाती है। युवाओं के लिये यह समय परीक्षाओं का समय होता है। उन्हें ऐसे समाधान देने पड़ते हैं जो उनके भरोसे और विश्वास का जीता–जागता प्रतीक बन सके । इसके लिए एक संवाद की जरूरत होती है। संवाद जो अभिभावक का अपनी संतान के साथ हो, अध्यापक का अपने छात्र के साथ हो और नेता से अपनी जनता के साथ हो। जब भरोसा ही खत्म होने लगे, आधारभूत नींव हिलती नजर आए और युवा संवादहीनता की स्थिति में पहुंच जाएं तब वही होता है जो इस समय दुर्भाग्य से अपने देश में हो रहा है। समस्या शिक्षा व्यवस्था के ढांचे पैदा हो गई त्रुटियों के साल–दर–साल न सुधरने से पैदा हुई।

पेपर लीक या नकल कोई ऐसी समस्या नहीं जो 2024 से शुरू हुई और अब 2026 में अपने भयावह रूप में हमारे सामने आई है, मानते हैं कि यह समस्या अलग–अलग समय में अलग–अलग राज्यों में पैदा होती रही और नौजवानों के सपनों को खंडित करती रही । लेकिन शिक्षा के व्यापक प्रसार उम्मीदों की ऊंचाई के बढ़ने के साथ–साथ जब एक देश एक परीक्षा का सिद्धघंत बनाकर इसे अखिल भारतीय स्तर पर लागू करने का प्रयास किया गया तो ये त्रुटियां सही न हो पाने के कारण आज भस्मासुर सी लगने लगी हैं।

पेपर लीक का यह मसला इस सरकार के दौरान पैदा नहीं हुआ, इसके पीछे देश से शिक्षा व्यवस्था के अक्षम होते जाने का कारण भी था। जो त्रुटियां पैदा हो जाती हैं, उन्हें सही क्यों नहीं किया जाता, यह सवाल भी था। इस सवाल के समाधान के लिए त्वरित एक्शन की जगह अगर बातूनी संतोष मिलेगा तो युवाओं का गुस्सा व्यापक स्तर पर फैलता नजर आएगा।

जंतर–मंतर का धरना इसलिए हुआ क्योंकि लाखों नौजवानों को अपनी शिक्षा की परिणति व परीक्षा के अर्थहीन होने का संकट नजर आने लगा। यही कारण है कि दिल्ली में ही नहीं बल्कि बिहार के अलग–अलग स्थानों, जयपुर और जम्मू से लेकर महाराष्ट्र तक युवाओं का गुस्सा सड़कों पर नजर आता है। भरोसा यूं बिगड़ता है कि तत्काल संवाद स्थापित न होने की जगह जिस नियंत्रक पुलिस को उतारा जाता है, उसकी अमानवीयता की शिकायतें आने लगती हैं। उधर राजनीति संवाद की स्थिति में आने की बजाय गतिरोध की स्थिति में आ जाती है। संसद का मानसून सत्र चल रहा है और लगातार काम नहीं हंगामा होता रहा है। विचार नहीं, आरोप–प्रत्यारोप हो रहे हैं। उधर उखड़े हुए राजनीतिज्ञ भी अपने लिए जमीन तलाश करने की उम्मीद में नौजवानों की कतारों में रूप बदलकर घुस रहे हैं। देखते ही देखते युवा आक्रोश की यह तपिश देशभर में फैलने लगी। युवाओं का देश की व्यवस्था में विश्वास जगाना बहुत आवश्यक है।

जब विपक्ष ने आरोप लगाया कि 2024 के बाद 2026 में भी इतना बड़ा पेपरलीक हुआ तो तुरंत सरकार ने दिल्ली ही नहीं बल्कि देश के अलग–अलग हिस्सों में फास्ट ट्रैक अदालतें स्थापित कर दी हैं। यह एक सही कदम है क्योंकि इससे युवाओं में भरोसा पैदा होगा कि अपराधियों को पेपर लीक जैसे अपराध का दंड तो मिलेगा। दरअसल, निहित स्वार्थी तत्वों ने पेपर लीक के इस धंधे को इतना प्रोत्साहित कर दिया कि साल–दर–साल इसके ठेकेदार यहां–वहां यह कारनामा दोहराते हुए नजर आते हैं। सरकार को इन नौजवानों की निराशा और मोहभंग की स्थिति को संबोधित करने की जरूरत है। मार–पीटने वाले पुलिस वालों को जब हमारी बच्चियां फूल बांटकर शर्मिंदा करती हैं तो उन्हें यह फूल उन नेताओं को, मार्गदर्शकों को, अध्यापकों को भी भेंट कर देने चाहिए कि जो उनके लिए सही शिक्षा का वातावरण पैदा नहीं कर सके।

आज शिक्षा के मूलभूत ढांचे और पढ़ने–पढ़ाने और परीक्षा की व्यवस्था करने वाले लोगों की मनोवृत्ति में भी परिवर्तन करने की जरूरत है। दरअसल, जल्दबाजी में सफलता प्राप्त करने वाली नई पीढ़ी नकल, गाइडों और ट्यूशनों के शार्टकट पर चल निकली

विपक्ष के लिए छात्र आंदोलन का सियासी सबक

भाजपा की तरह कांग्रेस भी यह समझ चुकी है कि शक्तिविहीनता के अहसास से अवज्ञा में तब्दील हुए छात्रों ने देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है वरना क्योंकर अनजान दानकर्ता लोग जंतर–मंतर तक लगातार खाने–पीने का सामान भेजते रहते ? इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि कराची से लेकर कनेक्टिकट तक सोशल मीडिया पर लोग इन सामान्य किंतु निडर युवाओं की हिम्मत को ...

प्रमुख तौर पर नीट के मुद्दे को लेकर जंतर–मंतर पर चला छात्र आंदोलन कई मांगें मनवाने में कामयाब रहा। जेन–जी ने भ्रष्ट व्यवस्था, पेपर लीक और बेरोजगारी के खिलाफ दमदार विरोध जताया। सरकार ने शिक्षा प्रणाली में सुधार का भरोसा दिया। वहीं राहुल गांधी को अहसास हुआ कि अगर उनकी पार्टी लगातार सक्रिय रहकर जनता के मुद्दे उठाए तो अपनी बात बेहतर ढंग से रख सकते हैं। देश भर के हजारों छात्रों के एक हफ्ते से अधिक जारी आंदोलन ने राष्ट्र का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने अपने डर पर काबू पाकर और अपनी चिंताओं को एक तरफ रखकर, भूख हड़ताल की, मार्च निकाले, खुद का भी मजाक उड़ाया, अंबेडकर, गांधी और चे ग्वेरा की तस्वीरें उठाईं – और सबसे बड़ी बात, राजनीतिक वर्ग को चेतावनी दे डाली है। कांग्रेस पूरी तरह जोश में आ गई। राहुल गांधी ने गत सप्ताह के मध्य में प्रधानमंत्री मोदी के घर के बाहर धरना भी दिया, जहां से उन्हें और प्रियंका को हिरासत में ले लिया गया और कुछ देर के लिए दो पुलिस स्टेशनों में रखा गया। गुरुवार शाम तक, इंडिया गठबंधन (जो भी बचा–खुचा है) एक साथ आया और बस में बैठकर धरना देने गांधी स्मृति गया। अगर छात्र प्रदर्शनकारियों की पहली कामयाबी मोदी सरकार के खिलाफ महीने भर चले आंदोलन को कायम रखना रहा, तो दूसरी कामयाबी नेता प्रतिपक्ष का ध्यान इस ओर खींचना रहा कृ और यह कोई छोटी बात नहीं है। राहुल ने नीट के मुद्दे पर छात्र प्रदर्शन का साथ देने का वादा किया था, लेकिन फिर वे अपनी गर्मियों की छुट्टियों पर चले गए। किस्मत रही कि जब वह एक महीने बाद लौटे कृ इस दौरान पंजाब समेत पूरे देश में कांग्रेस की राजनीति ठप पड़ी रही कृ तो उन्होंने पाया कि देश के दूसरे हिस्सों में हो रहे श्छात्रों की गूंजश नामक प्रदर्शनों का उतना असर नहीं हो पा रहा था। जिस महीने वह बाहर रहे, और पार्टी में किसी और ने इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया, उस दौरान आंदोलन का केंद्र बिंदु दिल्ली के बीचोंबीच स्थित जंतर–मंतर बन गया। 20 जुलाई के छात्र मार्च ने इस बात पर मुहर लगा दी। 2014 के बाद पहली बार, विपक्ष की अवधारणा को मजबूत करने में सड़कों पर उतरे लोगों ने राजनीतिक दलों को पीछे छोड़ दिया। लोकपाल के लिए अन्ना हजारे का 2011 का अनशन और 2012 के निर्भया आंदोलन की तरह कृ जब चलती बस में एक लड़की के साथ हुए गैंगरेप के विरोध में प्रदर्शन कर रही दिल्ली की महिलाओं पर वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया गया था कृ उनकी यादें अब पुरानी पड़ चुकी हैं। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ हुआ 2020 का विरोध प्रदर्शन भी इसमें शामिल नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह हिंदू–मुस्लिम दंगों में बदल गया था, जिसमें 53 लोग मारे गए थे। दूसरी ओर, सोमवार के मार्च में पैलेट गन से बिंधे जिस्म – जिससे दिल्ली में भी कश्मीर जैसा माहौल बन गया– साथ ही पत्थरबाजी, आंसू गैस और जबरदस्त लाठीचार्ज ने यह दिखा दिया कि छात्रों ने अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा गजब का संयम बरता। एक युवक की पुलिसकर्मियों द्वारा बेरहमी से पिटाई का वीडियो, जिसमें वह कह रहा है, 'और मारो, और मारो', वह रील युवा आंदोलन की प्रतीक बन गई है, युवा संविधान की प्रतियों को ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहे थे। भारत की जेन–जी ने यह पाया कि डटकर आंदोलन करना एक हथियार हो सकता है, खासकर तब जब कुछ हजार लोग मिलकर ऐसा करेंय यह संदेश सोशल मीडिया पर बिजली की रफ्तार से पूरे देश में फैल गया। आखिर सरकार क्या कर लेगी जब आप विरोध के गीत गाने लगें, जैसा कि मिजोरम में हो रहा है? या जब हुडी पहने एक युवती अकेले अपने दम पर प्रदर्शनकारियों से भरी मुंबई पुलिस की वैन को रोक दे? जब इंडिया टुडेश के पत्रकार ने पूछा कि जेन–जी दृ जोकि राजनीतिक पार्टी का सदस्य बनकर बदलाव लाने के बजाय जोरदार पार्टियां करने के लिए ज़्यादा जानी जाती है कृ आखिरकार क्यों परवाह करने लगी है, तो उस लड़की ने जवाब दियारू 'जेन–जी में जेड का मतलब है शजिद्दीश, जोकि हम हैं'। नेपाल और बांग्लादेश के अपने समकक्ष युवाओं के उलट, जिन्होंने पिछले दो सालों में अपनी–अपनी सरकारों को उखाड़ फेंका, इन युवा भारतीयों के बारे में दिलचस्प यह है कि उन्हें शायद मोदी को सत्ता से हटाने या कांग्रेस को वापस लाने की परवाह न होय वे बस ऐसी 'व्यवस्था' से बुरी तरह तंग आ चुके हैं जो बहुत भ्रष्ट है और बदलाव लाने के प्रति पूरी तरह उदासीन है। इन युवाओं के मुताबिक, जब मोदी जी पहली बार प्रधानमंत्री बने थे, तो उन्होंने 'ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा' कहकर उम्मीद जगाई थी लेकिन हालात बदतर ही हुए हैं। नीट पेपर लीक एक बृहद और गहरी समस्या उठाने का सबब बन गया, जो घटते मौकों और गिरती आय से परिभाषित होता है। इस बीच, अमीर और अमीर होते गए। जेन–जी महसूस करने लगी है कि वे वहीं के वहीं फंसे हैं। सब रास्ते बंद होते जा रहे हैं। निश्चित रूप से भाजपा भी उनके प्रति नाराजगी भरा सम्मान स्वीकार कर रही है। खुद प्रधानमंत्री ने शुक्रवार देर रात एक सेल्फी वीडियो पोस्ट करके शिक्षा में सुधार का वादा किया, जिसके बाद सोनम वांगचुक ने अपना अनशन खत्म किया। इसके अलावा, छात्रों का यह आंदोलन राजनीतिक पार्टियों में नई जान फूंक रहा है, जैसे कि कांग्रेस, जिनकी राजनीति वर्ना भाजपा जैसी ताकतवर पार्टी के सामने लड़खड़ा रही थी।

हथियार खत्म तो अमेरिकी हमले फुस्स! 13 दिन में ईरान के आगे हांफने लगे?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलहाल ईरान के खिलाफ किसी नए बड़े सैन्य हमले को रोक दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार को वाइट हाउस में शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों, रक्षा अधिकारियों और कैबिनेट सदस्यों के साथ हुई अहम बैठक के बाद ट्रंप ने अमेरिकी सेना को फिलहाल बड़े पैमाने पर नए हमले नहीं करने का निर्देश दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब पश्चिमी एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बना हुआ है और किसी भी नई सैन्य कारवाही से पूरे क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक बैठक के दौरान अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति ट्रंप को चेतावनी दी कि अगर ईरान के खिलाफ मौजूदा सैन्य अभियान को और ज्यादा तेज किया गया या बड़े पैमाने पर नए हमले किए गए तो मध्य पूर्व में तैनात अमेरिकी सेना के पास महत्वपूर्ण एयर डिफेंस हथियारों का भंडार तेजी से कम हो सकता है।

अधिकारियों का कहना था कि खासतौर पर पेट्रियट डिफेंस सिस्टम और अन्य वायु रक्षा प्रणालियों का स्टॉक चिंताजनक स्तर पर घट रहा है। जिससे क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैनिकों और सैन्य ठिकानों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। पेट्रिएट इंटरसेप्टर मिसाइल सिस्टम

अमेरिका की सबसे उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों में से एक है। इसका इस्तेमाल बैलस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और ड्रोन को हवा में ही मार गिराने के लिए किया जाता है। हाल के महीनों में ईरान और उसके समर्थित संगठनों की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमलों का खतरा बढ़ने के बाद अमेरिका ने मध्यपूर्व में इन प्रणालियों की तैनाती बढ़ा दी है। ऐसे में अगर इन मिसाइलों का बड़े पैमाने पर लगातार इस्तेमाल होता रहा तो उनका भंडार कम होने से अमेरिकी रक्षा क्षमता पर बड़ा असर पड़ सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिकी सैन्य नेतृत्व का मानना है कि मौजूदा समय में सेना की रक्षा क्षमता बनाए रखना किसी नए बड़े हमले से ज्यादा महत्वपूर्ण है। अगर एयर डिफेंस सिस्टम कमजोर पड़ता है तो ईरान या उसके सहयोगी समूह अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना सकते हैं जिससे अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा गंभीर खतरे में पड़ जाएगी।

हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप ने यह स्पष्ट किया है कि यह फैसला स्थाई नहीं है। अगर भविष्य में ईरान या उसके समर्थित संगठन अमेरिकी ठिकानों या सैनिकों या सहयोगी देशों पर हमला करते हैं तो अमेरिका सैन्य कारवाही का विकल्प फिर से अपना सकता है। फिलहाल प्रशासन की प्राथमिकता क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और रक्षा संसाधनों को संरक्षित करना है। जानकार मानते हैं कि इसकी एक वजह यह भी है कि ईरान जिस तरीके से लगातार मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले कर रहा है, उससे फेडरेट डिफेंस सिस्टम की भारी कमी पड़ गई है क्योंकि सिस्टम लगातार बिजी चल रहे हैं। एक के बाद एक सिस्टम फायर किए जा रहे हैं जिससे उनकी कमी पड़ रही है। माना जा रहा है कि ईरान इसके बाद और ज्यादा आक्रामक रुख अपना सकता है। यानी मदपुर में आने वाले दिन बेहद दिलचस्प होने वाले हैं।

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामनेई ने शनिवार को अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी हमले जारी रहे तो उसे ऐसे सबक मिलेंगे जिन्हें वह कभी भूल नहीं पाएगा। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को बेकार और अमान्य बताया। ईरान समर्थित समूहों के गठबंधन एक्सेस ऑफ रेसिस्टेंस का जिक्र करते हुए सुप्रीम लीडर ने कहा कि केवल ईरान ही नहीं बल्कि उसके सहयोगी भी जवाब देने में सक्षम है। पश्चिमी एशिया में समझौता ज्ञापन यानी एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुए नए तनाव के दौर के बाद यह पहली बार था जब मोजतबा ने ईरानी जनता को संबोधित किया। उन्होंने ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता आया अली खामिनई के अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में शामिल होने के लिए लोगों की सराहना की।

वीवीएस लक्ष्मण हुए 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के मुरीद, जिम्बाब्वे क्लीन स्वीप के बाद जमकर की तारीफ

जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के तीसरे और आखिरी T20I मैच में भारतीय टीम ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया। 26 जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम ने 35 रनों से जीत हासिल की और सीरीज में 3–0 से क्लीन स्वीप किया।

इस मैच में कई खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया, लेकिन 15 साल के वैभव सूर्यवंशी जैसा प्रभाव बहुत कम खिलाड़ी ही छोड़ पाए। पहले T20I में अर्धशतक लगाने के बाद, सूर्यवंशी ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन किया और 49 गेंदों में 81 रन बनाए ।मैच के बाद, जिम्बाब्वे सीरीज के लिए भारत के हेड कोच VVS लक्ष्मण ने 15 साल

के इस खिलाड़ी की जमकर तारीफ की और उनकी पारी के दौरान दिखाई गई परिपक्वता (मैच्योरिटी) की सराहना की। क्रिकबज ने लक्ष्मण के हवाले से कहा कि बहुत समझदारी भरी। और यही बात मुझे वैभव के बारे में बहुत पसंद है। हर अनुभव और हर मैच के साथ, वह चीजों को समझते हैं, उनका आकलन करते हैं और बेहतर होते जाते हैं। मुझे लगता है कि वह सिर्फ मैचों ही नहीं, बल्कि हर प्रैक्टिस सेशन का भी बहुत बारीकी से रिव्यू करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि आज आपने जो देखा, वह एक समझदारी भरी पारी थी क्योंकि विकेट मुश्किल था। गेंद रुक–रुक कर आ रही थी और विकेट धीमा था। मुझे लगा कि जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की और उनके लिए एक प्लान बनाया था। उन्होंने उस प्लान का डटकर सामना किया और यह वैभव की ओर से बहुत ही समझदारी भरी पारी थी। T20I सीरीज खत्म होने के बाद, भारतीय टीम अब क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट पर ध्यान देगी। अपने अगले असाइनमेंट के तौर पर, टीम इंडिया श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। दोनों टीमें 15 अगस्त से गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में पहला टेस्ट खेलेंगी।

इसके अलावा, दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में शुरू होगा। शुभमन गिल की कप्तानी में, भारत श्रीलंका के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद करेगा। हालाँकि, यह ध्यान देने वाली बात है कि उनके घरेलू मैदान पर उनका सामना करना कभी भी आसान काम नहीं रहा है, और अगस्त में दो टेस्ट मैचों में आमने–सामने होने पर श्रीलंका कड़ी टक्कर देगा।

इटवा चौराहे से लापता छात्र पहुंचा बिहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर । इटवा चौराहे से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुआ 16 वर्षीय छात्र तीन दिन बाद सकुशल गोरखपुर पहुंच गया। छात्र ने परिजनों को फोन कर बताया कि उसे होश आने पर खुद को बिहार के छपरा में पाया। इसके बाद वह किसी तरह वहां से भागकर रेलवे स्टेशन पहुंचा और ट्रेन से गोरखपुर आ गया। सूचना मिलने पर परिजन उसे लेने के लिए रवाना हो गए।

शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम महमुदवां ग्रांट निवासी फुरकान का पुत्र रिफा (16) डुमरियागंज स्थित बेंवा के यामिया सिराजुल उलूम मदरसा में पढ़ाई करता है। वह अपने मामा शहीदुर्रहमान के यहां रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहा है। एक सप्ताह पूर्व वह अपने मामा के घर महमुदवां ग्रांट आया था। परिजनों के अनुसार शुक्रवार की शाम मामा फजलुर्रहमान उसे बाइक से ढेबरूआ चौराहे तक डुमरियागंज जाने वाली बस पकड़ाने आए थे। काफी देर तक वाहन नहीं मिलने पर रिफा ने मामा को घर लौट जाने के लिए कहा और स्वयं किसी साधन से डुमरियागंज जाने की बात कही। इसके बाद वह किसी वाहन से इटवा चौराहे तक पहुंचा, जहां से वह रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। मामा शहीदुर्रहमान ने बताया कि अगले दिन छात्र के मदरसा नहीं पहुंचने पर वहां के मौलाना ने फोन कर जानकारी ली। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और ढेबरूआ पुलिस को गुमशुदगी की तहरीर दी। पुलिस ने परिजनों के साथ काफी खोजबीन की, लेकिन छात्र का कोई सुराग नहीं मिल सका। सोमवार सुबह छात्र ने मामा को फोन कर बताया कि जब उसे होश आया तो वह बिहार के छपरा में था। उसे वहां पहुंचने की कोई जानकारी नहीं है। घबराहट की स्थिति में वह किसी तरह छपरा रेलवे स्टेशन पहुंचा और वहां से गोरखपुर जाने वाली ट्रेन पकड़कर गोरखपुर पहुंच गया। फोन पर उसने बताया कि वह डरा हुआ है और काफी भूखा भी है। छात्र के सकुशल मिलने की सूचना मिलते ही परिजनों ने राहत की सांस ली। घटना की जानकारी शोहरतगढ़ पुलिस को देने के बाद परिजन उसे लेने के लिए गोरखपुर रवाना हो गए। वहीं, छात्र के रहस्यमय ढंग से बिहार पहुंचने की परिस्थितियों को लेकर पुलिस भी मामले की जानकारी जुटा रही है।

विराट कोहली का जिम में जुनून देख संजू सैमसन हुए हैरान, मिली थी ये खास सलाह

भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज संजू सैमसन ने फिटनेस, लाइफस्टाइल और अनुशासन से जुड़ी उस सलाह के बारे में बात की जो उन्हें जिम सेशन के दौरान दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली से मिली थी और बताया कि उन्होंने इसे अपनी जिंदगी में कैसे अपनाया। संजू, जो ICC T20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे उन्होंने वेस्ट इंडीज के खिलाफ वर्चुअल क्वार्टर–फाइनल से लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल तक लगातार अर्धशतक लगाते हुए कुल 321 रन बनाए थे–वे **JioStar** के शो बिलीव में बात कर रहे थे।

इस प्रोग्राम के दौरान संजू ने जिम में विराट के अंदर दिखने वाले श्जुनूनश की तारीफ की और बताया कि उन्हें एक इंटरनेशनल क्रिकेटर के तौर पर एक खास डाइट और लाइफस्टाइल बनाए रखने की

सलाह मिली थी। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने विराट की सलाह को अपनी लाइफस्टाइल में अपनाने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही उसे छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि विराट भाई कैसे हैं। वह सबके साथ बहुत साफ और सीधे–साफ बात करते हैं। अगर आपको कुछ करना है, तो वह आपको साफ–साफ बता देंगे कि क्या जरूरी है। जिम में वह जिस तरह से काम करते हैं, उनमें एक अलग ही जुनून दिखता है और मुझे उनकी यह बात बहुत पसंद है। हम दोनों इंडियन टीम के कैंप के दौरान जिम में साथ वर्कआउट कर रहे थे और मैंने उनसे पूछा, श्पाजी, मुझे क्या करना चाहिए? मुझे भी कुछ बताइए!

संजू ने आगे कहा कि उन्होंने मुझे बताया कि लाइफस्टाइल बहुत अहम भूमिका निभाती है। अगर आप इंटरनेशनल क्रिकेटर बनना चाहते हैं, तो आपको एक अलग तरह की लाइफस्टाइल अपनानी होगी। उन्होंने बताया कि उनके सफर में क्या चीजें काम आईं और मुझसे कहा कि यह खाना तुम्हारे शरीर को रिकवर करने में मदद करेगा, और यह वाला नहीं। अगर तुम अगले 10 सालों तक यह अनुशासन बनाए रखते हो, तो तुम्हारा करियर बहुत शानदार होगा। मैंने एक–डेढ़ साल तक तो इसे फॉलो किया, लेकिन उसके बाद मैं इसे जारी नहीं रख पाया।

संजू ने T20 वर्ल्ड कप से पहले अपनी सोच के बारे में भी बात की। उस समय टूर्नामेंट से पहले टॉप–ऑर्डर या पहली पसंद वाले विकेटकीपर–बल्लेबाज के तौर पर उनकी जगह ईशान किशन ने ले ली थी और वह उस प्लगातार मची होड़ष का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी शर्तों पर खेलने का फैसला किया है और अगर 2028 T20 वर्ल्ड कप के लिए चीजें उनके पक्ष में नहीं भी रहीं, तो भी वह अपने सफर के लिए शुक्रगुजार रहेंगे।

राजस्व वादों, अंश निर्धारण एवं कृषक दुर्घटना बीमा प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

.जलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की समीक्षा, लापरवाही पर कार्रवाई की दी चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ अंश निर्धारण, .षक दुर्घटना बीमा योजना की पत्रावलियों तथा विभिन्न राजस्व वादों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने लंबित प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की प्राथमिकता के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति को समयबद्ध न्याय एवं राहत उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अंश निर्धारण, .षक दुर्घटना बीमा योजना के प्रकरणों तथा राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी लाई जाए और निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लंबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी की स्पष्ट मंशा है कि आमजन को समय पर न्याय मिले तथा उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान हो। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित समय सीमा में उनका निस्तारण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक दो दिवस पर इन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। यदि किसी अधिकारी के स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता पाई गई तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप जनहित के मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें।

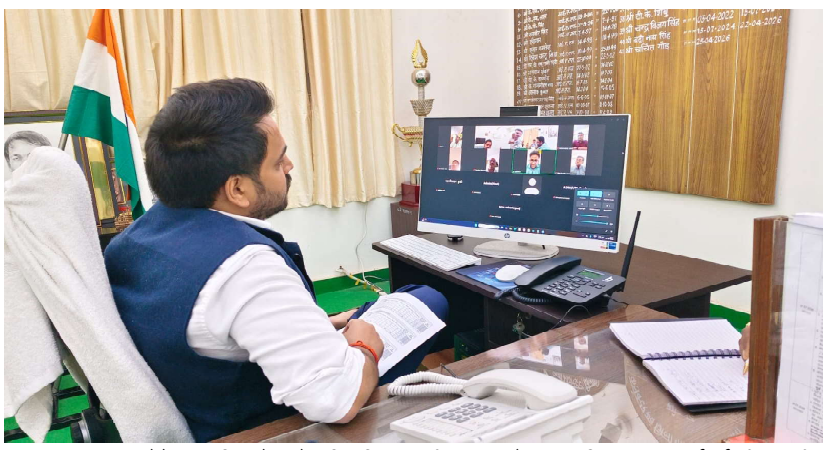

सोनांचल इंटर कॉलेज, घोरावल, में पौध वितरण, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण शपथ एवं संगोष्ठी का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र । जिला गंगा समिति, के तत्वावधान में सोनांचल इंटर कॉलेज, घोरावल में पौध वितरण, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण शपथ एवं संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम में जिला गंगा समिति के जिला परियोजना अधिकारी श्री महेंद्र गौतम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने, नदियों को स्वच्छ रखने, प्लास्टिक के उपयोग से बचने तथा जल एवं ऊर्जा संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमुदाय को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर हरित एवं स्वच्छ वातावरण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र–छात्राओं को विभिन्न प्रजातियों के पौधों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला गंगा समिति, सोनभद्र एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक श्री ललितेश मिश्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें पौध वितरण, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण शपथ एवं भंडारे का आयोजन भी संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि श्रीमती कविता यादव (जिला मीडिया प्रभारी, महिला मोर्चा, सोनभद्र) द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति निरंतर कार्य करने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आवाहन किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य काशी प्रसाद मौर्य, वन दरोगा, घोरावल रेंज देवेंद्र कुमार, वन रक्षक श्री अभिलाष वर्मा, प्रमोद (जेआरएफ, जिला पर्यावरण समिति), अभिषेक यादव (गंगा वॉलंटियर) सहित विद्यालय परिवार, शिक्षकगण, छात्र–छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

चौपाल आयोजित कर महिलाओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ पुलिस ने सोमवार को सेमरा गाँव में मिशन शक्ति फेज–5.0 के अंतर्गत बहू–बेटी जनचौपाल सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, महिला अधिकारों तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस दौरान मिशन शक्ति 5.0 के स्टिकर भी चस्पा किए गए। क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को आत्मरक्षा, दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट, महिला संबंधी अपराधों से बचाव तथा शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही महिला संबंधी मामलों में पीड़िताओं की काउंसलिंग भी की गई। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र की जानकारी देते हुए बताया गया कि महिलाएं अपनी समस्याओं की शिकायत वहां दर्ज करा सकती हैं। इसके अलावा वूमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस हेल्पलाइन 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एम्बुलेंस सेवा 108, अग्निशमन सेवा 101, एल्डर हेल्पलाइन 14567 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 सहित नए कानूनों के संबंध में भी जानकारी दी गई।कार्यक्रम में यातायात नियमों के पालन के प्रति भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर उप निरीक्षक राजकुमार यादव, मुख्य आरक्षी अविनाश सिंह, महिला आरक्षी उर्मिला देवी, शोभा भारती एवं रितिका त्रिपाठी सहित थाना शोहरतगढ़ पुलिस के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

20 माह बाद आठ माह के शिशु के साथ लौटी युवती

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ पुलिस ने अपहरण के एक पुराने मामले में दर्ज मुकदमे की पीड़िता को रविवार को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने पीड़िता को संरक्षण में लेकर चिकित्सीय परीक्षण सहित अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना शोहरतगढ़ पुलिस ने थाना पर पंजी.त मुकदमा अपराध संख्या 266/2024, धारा 137(2) बीएनएस से संबंधित पीड़िता को 27 जुलाई 2026 को सकुशल बरामद किया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में पीड़िता ने बताया कि वह 22 अक्टूबर 2024 को राजकुमार पासवान पुत्र रामवृक्ष पासवान, निवासी ग्राम मंझरिया, थाना उसका बाजार, जनपद सिद्धार्थनगर के साथ अपनी इच्छा से चली गई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध था और आरोपी ने शादी का आश्वासन दिया था। इसके बाद दोनों मुंबई में साथ रहने लगे। पीड़िता वर्तमान में लगभग आठ माह के एक शिशु के साथ वापस लौटी है। उसने शिशु को अपना तथा राजकुमार पासवान का पुत्र बताया है। पुलिस ने पीड़िता को नियमानुसार संरक्षण में लेकर चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा है। साथ ही न्यायालय में बयान दर्ज कराने एवं अन्य आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जांच के दौरान प्राप्त तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में आवश्यक धार

बदहाल सड़क से परेशान ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शिवपुर (बहराइच)। शिवपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत लालपुर शिवपुर के अमृतलाल पुरवा गांव की जर्जर सड़क से परेशान ग्रामीणों का सब्र सोमवार को जवाब दे गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे और खंड विकास अधिकारी आलोक कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपकर सड़क का शीघ्र निर्माण कराने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद सड़क की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। बारिश के चलते सड़क पर कीचड़ और जलभराव होने से अमृतलाल पुरवा समेत आसपास के पांच गांवों का आवागमन प्रभावित हो गया है। सबसे अधिक दिक्कत स्कूली बच्चों, मरीजों और गर्भवती महिलाओं को उठानी पड़ रही है। खराब सड़क के कारण गांव तक एंबुलेंस और अन्य वाहन पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। खंड विकास अधिकारी आलोक कुमार वर्मा ने बताया कि शिकायत को गंभीरता से लेते हुए ग्राम सचिव राजमणि वर्मा को तत्काल सड़क पर मिट्टी पटाई, ईंट के टुकड़े और रोड़ी डलवाकर आवागमन सुचारु कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जाएगी ताकि ग्रामीणों को स्थायी राहत मिल सके। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सड़क निर्माण शुरू कर समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

पुलिस की पाठशाला में छात्राओं को महिला सुरक्षा के दिए गए अहम टिप्स

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर (बहराइच)। के.बी. इंटर कॉलेज में आयोजित श्पुलिस की पाठशालाश कार्यक्रम के तहत पयागपुर थानाध्यक्ष ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा और आपात परिस्थितियों में पुलिस सहायता प्राप्त करने के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान थानाध्यक्ष दीपक सिंह ने छात्राओं को बताया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, साइबर अपराध या अन्य विपरीत परिस्थितियों में बिना घबराए तत्काल पुलिस से संपर्क करें। उन्होंने विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों और पुलिस की त्वरित सहायता व्यवस्था के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा गया कि अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें तथा सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करें। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक–शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। छात्राओं ने महिला सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सवाल पूछे, जिनका थानाध्यक्ष ने सरल और व्यवहारिक तरीके से उत्तर दिया।

भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ बालाजी मंदिर निर्माण, जयकारों से गूंजा पयागपुर

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर (बहराइच)। क्षेत्र में प्रस्तावित बालाजी मंदिर के निर्माण कार्य का शुभारंभ सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ धार्मिक आस्था और उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। सैकड़ों महिला–पुरुष श्रद्धालुओं की सहभागिता से निकली यात्रा में पूरे मार्ग पर ष्जय श्री बालाजीष् के जयघोष गूंजते रहे, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया। मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि–विधान से पूजा–अर्चना के बाद कलश यात्रा प्रारंभ हुई। श्रद्धालु मंदिर परिसर से पयागपुर बस स्टॉप होते हुए काली मंदिर पहुंचे, जहां धार्मिक अनुष्ठानों के साथ यात्रा का समापन हुआ। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर परंपरागत रीति–रिवाजों का पालन किया। श्रद्धालुओं ने मंदिर निर्माण कार्य के सफल एवं शीघ्र पूर्ण होने के साथ–साथ क्षेत्र की सुख–समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा एवं स्वागत कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विशेश्वरगंज राकेश पांडेय, चुन्नू महाराज, त्रिलोकी चौबे सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पुलिस की पाठशाला में छात्राओं को महिला सुरक्षा के दिए गए अहम टिप्स

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर (बहराइच)। के.बी. इंटर कॉलेज में आयोजित श्पुलिस की पाठशालाश कार्यक्रम के तहत पयागपुर थानाध्यक्ष ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा और आपात परिस्थितियों में पुलिस सहायता प्राप्त करने के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान थानाध्यक्ष दीपक सिंह ने छात्राओं को बताया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, साइबर अपराध या अन्य विपरीत परिस्थितियों में बिना घबराए तत्काल पुलिस से संपर्क करें। उन्होंने विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों और पुलिस की त्वरित सहायता व्यवस्था के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा गया कि अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें तथा सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करें। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक–शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। छात्राओं ने महिला सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सवाल पूछे, जिनका थानाध्यक्ष ने सरल और व्यवहारिक तरीके से उत्तर दिया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को मिलेगी नई गति, 'हनुमान रथ' हुआ रवाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के तहसील तरबगंज के अंतर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्र ग्राम ऐलीपरसौली सहित आसपास के गांवों में राहत एवं बचाव कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं त्वरित बनाने के उद्देश्य से विशेष राहत एवं रेस्क्यू वाहन ष्हनुमान रथष् को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

यह विशेष वाहन अब बाढ़ के दौरान फंसे हुए लोगों तक समय पर राहत सामग्री पहुंचाने तथा आवश्यकतानुसार रेस्क्यू अभियान संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।इस अवसर पर विधायक तरबगंज प्रेम नारायण पाण्डेय,विधायक सदर गोण्डा प्रतीक भूषण सिंह, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन,एमएलसी मंजू सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने संयुक्त रूप से वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।बाढ़ के दौरान कई बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं,जब किसी गांव में कोई व्यक्ति पानी से घिरकर फंस जाता है अथवा गांवों के चारों ओर जलभराव इतना अधिक हो जाता है कि सामान्य वाहनों का पहुंचना संभव नहीं होता। ऐसी विषम परिस्थितियों में ष्हनुमान रथष् राहत एवं बचाव कार्यों का एक प्रभावी साधन सिद्ध होगा।इस विशेष वाहन के माध्यम से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में खाद्यान्न,पेयजल,दवाइयां एवं अन्य आवश्यक राहत सामग्री शीघ्रता से पहुंचाई जा सकेगी। साथ ही जरूरत पड़ने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में भी यह वाहन अत्यंत उपयोगी रहेगा। यह वाहन माननीय विधायक सदर गोण्डा श्री प्रतीक भूषण सिंह द्वारा उपलब्ध कराया गया है,जिससे बाढ़ प्रभावित लोगों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने में प्रशासन को महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि बाढ़ जैसी प्रा.तिक आपदाओं में त्वरित राहत एवं प्रभावी बचाव कार्य प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।ष्हनुमान रथष् के संचालन से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को नई गति मिलेगी तथा आपदा की स्थिति में लोगों तक शीघ्र सहायता पहुंचाना पहले की अपेक्षा अधिक सरल और प्रभावी होगा।सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह वाहन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को और अधिक सुदृढ़ एवं जनहितकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी तरबगंज, ब्लॉक प्रमुख बेलसर, नगरपालिका अध्यक्ष नवाबगंज, खंड विकास अधिकारी बेलसर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सपा के युवा नेता सूरज सिंह के नेतृत्व में निकली जन आक्रोश पैदल मार्च रैली, डीएम को दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जन आक्रोश पैदल मार्च निकाला। सपा नेता सूरज सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता नगर कोतवाली के पास इकट्ठे हुए।उन्होंने नगर कोतवाली से कलेक्ट्रेट तक लगभग ढाई किलोमीटर का मार्च किया।डीएम प्रियंका निरंजन को 22 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।कार्यकर्ता डीजे के साथ हाथों में समाजवादी और तिरंगा झंडा लिए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े।समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जन आक्रोश पैदल मार्च निकालकर।उनकी प्रमुख मांगों में खाद की कमी, सिलेंडर की समस्या,शहर में जल भराव, बिजली की समस्या,जर्जर ट्रांसफार्मर, पुलिस उत्पीड़न,सरकारी अस्पतालों में कुव्यवस्था,बजाज चीनी मिल द्वारा गन्ना भुगतान में देरी, सीवर लाइन की समस्या, नगर में जाम और जौहर विश्वविद्यालय के ध्वस्तीकरण के आदेश का विरोध शामिल था।जन आक्रोश पैदल मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने ष्चंदा चोर गद्दी छोड़ष्, ष्जौहर यूनिवर्सिटी बचाओ शिक्षा का सम्मान बचाओष्, ष्हर बेटी की यही पुकार बंद करो उत्पीड़न और अत्याचारष् और ष्पेपर लीक बंद करो माफियाओं पर कार्रवाई करोष् जैसे नारे लगाए।समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बात करते हुए सपा नेता सूरज सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार में जिन भी समाजवादियों पर गलत तरीके से मुकदमे दर्ज किए जाएंगे,सपा सरकार आने पर उन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने खाद,बिजली,सिलेंडर की समस्या, पुलिस उत्पीड़न,अस्पतालों की दुर्व्यवस्था,गन्ना भुगतान में देरी, बाढ़ से कटान,शहर में जल भराव,तहसील में भ्रष्टाचार,पार्किंग की कमी और छुट्टा जानवरों की समस्या को लेकर सरकार पर निशाना साधा।श्रीसिंह ने आरोप लगाया कि सरकार इन समस्याओं को सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी ने उनकी मांगों पर विचार करने और समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया है।सपा कार्यकर्ताओं ने डीएम को ज्ञापन दिया।प्रदर्शन के दौरान सपा जिला अध्यक्ष अरशद हुसैन,पूर्व एमएलसी रणविजय सिंह, मुलायम सिंह यूथ ब्रिग्रेड जिला अध्यक्ष देवेंद्र प्रताप उर्फ दीपू यादव,छात्र सभा जिला अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह उर्फ मोनू सिंह, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष अफजल खान,लोहिया वाहिनी जिला अध्यक्ष लालचंद गौतम सहित भारी संख्या में समाजवादी उपस्थित रहे।

राशन कार्ड से लेकर आय प्रमाण पत्र,वरासत और स्थानीय विवादों तक शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। देवीपाटन मंडल की आयुक्त के निर्देशन में संचालित माँ पाटेश्वरी शक्ति संवाद महिलाओं की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागों द्वारा निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध कार्रवाई की जा रही है, जिससे महिलाओं का प्रशासन पर विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।जनसुनवाई के दौरान बहराइच जनपद से संबंधित प्राप्त शिकायत पर बहराइच प्रशासन ने जांच कर वर्ष 2025–26 में जारी एक आय प्रमाण पत्र को नियमों के विपरीत पाए जाने पर उसके निरस्तीकरण की कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।साथ ही संबंधित लेखपाल के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।अन्य आरोप जांच में निराधार पाए गए और विस्तृत आख्या आयुक्त कार्यालय को भेज दी गई।इसी प्रकार गोन्डा जनपद में ग्राम पंचायत मेड़ीपाठक की ननका देवी की शिकायत पर जिला पूर्ति विभाग ने जांच कर उन्हें पात्र पाते हुए छह यूनिट का पात्र गृहस्थी राशन कार्ड जारी कर दिया, जिससे उनकी लंबे समय से लंबित समस्या का समाधान हो गया।करनैलगंज तहसील के ग्राम शाहजोत निवासी रामलली की वरासत संबंधी शिकायत की जांच में पाया गया कि उनके पति की मृत्यु के बाद तत्कालीन नियमों के अनुसार वरासत की कार्रवाई पहले ही पूरी हो चुकी थी। जांच के दौरान आवेदिका ने स्वयं संतुष्टि व्यक्त करते हुए किसी प्रकार की शिकायत न होने की बात कही, जिसके बाद प्रकरण के निस्तारण की संस्तुति की गई।वहीं नगर क्षेत्र की शिकायतकर्ता मनूप्रिया द्वारा सड़क पर बने नाली चौम्बर को लेकर की गई शिकायत का भी पुलिस एवं प्रशासन की पहल पर आपसी सुलह–समझौते के माध्यम से समाधान करा दिया गया। शिकायतकर्ता ने दूरभाष पर नगर मजिस्ट्रेट को अवगत कराया कि उनकी समस्या का समाधान हो चुका है और अब वह किसी अतिरिक्त कार्रवाई की इच्छुक नहीं हैं।माँ पाटेश्वरी शक्ति संवाद के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित जांच, निष्पक्ष कार्रवाई और प्रभावी निस्तारण यह दर्शाता है कि प्रशासन केवल शिकायतें सुनने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक प्रकरण का समाधान सुनिश्चित करने के लिए गंभीरता से कार्य कर रहा है।यह पहल महिलाओं को न्याय, सुरक्षा और प्रशासनिक सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में एक प्रभावी एवं भरोसेमंद मंच के रूप में निरंतर अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रही है।

दो दिन से लापता महिला का खेत में मिला शव, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, जांच में जुटी पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती । जनपद के थाना इकौना क्षेत्र में दो दिन से लापता महिला का शव घर के बगल स्थित खेत में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, थाना इकौना क्षेत्र के दिनामगढ़ निवासी संगीता देवी (42 वर्ष), पत्नी शिवपाल उर्फ पप्पू यादव का शव सोमवार, 27 जुलाई 2026 को उनके घर के पास खेत में मृत अवस्था में मिला। महिला की गुमशुदगी 25 जुलाई 2026 को थाना इकौना में दर्ज कराई गई थी। सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह एवं क्षेत्राधिकारी इकौना आलोक कुमार सिंह तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और मौके का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य बनी हुई है।

चक मार्ग से अवैध कब्जा हटाने की मांग, ग्रामीणों ने डीएम को सौंपा पत्र, दिया आन्दोलन की चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सोमवार को नगर पंचायत कप्तानगंज स्थित वार्ड नंबर 1 अम्बेडकर नगर मोहल्ला चौखड़ा के ग्रामीणों ने सार्वजनिक चक मार्ग से अवैध कब्जा हटवाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा गया। महेश कुमार पुत्र राम अजोर के नेतृत्व में पहुंचे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव के सार्वजनिक चक मार्ग (गाटा संख्या 64) पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है, जिससे ग्रामीणों के आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। ज्ञापन सौंपने के बाद ग्रामीणों ने बताया कि उक्त चक मार्ग की पैमाइश राजस्व विभाग की टीम द्वारा 11 जुलाई 2026 को नायब तहसीलदार, कानूनगो एवं लेखपाल की मौजूदगी में करने के साथ सीमांकन भी कर दिया गया था। इसके बावजूद कब्जाधारियों द्वारा मार्ग खाली नहीं किया गया और उस पर खेती कर अवैध कब्जा बनाए रखा गया है। शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि रामगोपाल, बाबूराम और रमेश द्वारा चकरोट को काट लिया गया है, जिससे ग्रामीणों का आना–जाना बाधित हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उन्हें मारपीट की धमकी दी गई। इस दौरान उन्होंने तत्काल डायल 112 पुलिस को भी सूचना दी थी। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग किया कि राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम भेजकर सार्वजनिक चक मार्ग को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा मिल सके। इसके साथ ही चेतावनी दिया कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे धरना–प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में सुरेन्द्र कुमार, महेन्द्र, गुड्डू, राजकुमार, श्रीराम, ओमप्रकाश, दयाशंकर, राजा बाबू, अनीता देवी, मिथलेश देवी, सीमा, गड़ना देवी, शीला देवी, सेहरा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

केडिया हॉस्पिटल के बाहर बेतरतीब पार्किंग से बिगड़ रही यातायात व्यवस्था

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। शहर स्थित केडिया हॉस्पिटल के बाहर सड़क पर वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। लोगों का कहना है कि अस्पताल के बाहर सड़क किनारे खड़े वाहनों के कारण आए दिन जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, कई बार वाहनों की लंबी कतार लगने से यातायात पूरी तरह प्रभावित हो जाता है और लोगों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ता है। इससे आसपास के क्षेत्र में आवागमन भी बाधित हो रहा है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और यातायात पुलिस से मांग की है कि अस्पताल के बाहर पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया जाए तथा सड़क पर होने वाली अवैध पार्किंग के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।

सुबह के समय हुई एक घंटे की बारिश ने खोली कृषि भवन की जल निकासी व्यवस्था की पोल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। शहर में हुई महज एक घंटे की बारिश ने उप .षि निदेशक कार्यालय (.षि भवन) परिसर की जल निकासी व्यवस्था की हकीकत उजागर कर दी। बारिश के बाद पूरे कार्यालय परिसर में पानी भर गया, जिससे अधिकारियों, कर्मचारियों और कार्यालय आने वाले लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कार्यालय परिसर में जलभराव के कारण लोगों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा। इससे स्पष्ट है कि बारिश के पानी की निकासी के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। कर्मचारियों का कहना है कि थोड़ी सी बारिश में ही परिसर तालाब जैसा बन जाता है, जिससे रोजमर्रा के कार्य भी प्रभावित होते हैं। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से जल निकासी व्यवस्था में सुधार कर स्थायी समाधान कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में बारिश के दौरान ऐसी स्थिति दोबारा न बने।

भिनगा में नहर से युवक का शव मिलने से सनसनी

फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

श्रावस्ती। थाना कोतवाली भिनगा क्षेत्र में सोमवार सुबह एक युवक का शव नहर में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह, क्षेत्राधिकारी भिनगा, स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान श्रवण कुमार उर्फ हरिशंकर (32) के रूप में हुई है। वह रविवार दोपहर करीब तीन बजे भैंस चराने घर से निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चला। सोमवार सुबह नहर में शव मिलने की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य संकलित किए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तरीय स्वापक नियंत्रण समिति की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय स्वापक नियंत्रण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण, युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने, विभिन्न विभागों के समन्वय से प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने तथा एनडीपीएस अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 ने कहा कि नशे के विरुद्ध अभियान केवल कानून प्रवर्तन तक सीमित न रहकर जनसहभागिता एवं जागरूकता पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि से समन्वय बनाए रखा जाए।

नारकोटिक्स से संबंधित अपराधों के विरुद्ध निरंतर विशेष अभियान चलाते हुए मादक पदार्थों की अवैध बिक्री, परिवहन एवं तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों के प्रभावी अनुश्रवण एवं विचाराधीन मुकदमों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों बैठक में शिक्षा विभाग एवं समाज कल्याण विभाग को निर्देश दिए गए कि विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जाए। विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों से अवगत कराया जाए तथा नशामुक्ति संबंधी शपथ, संगोष्ठी, रैली एवं जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएं। अपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि युवाओं में कोडीनयुक्त कफ सिरप, ट्रामाडोल एवं अन्य दर्द निवारक दवाओं के नशे के रूप में हो रहे दुरुपयोग को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग, औषधि विभाग एवं शिक्षा विभाग संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाएं। औषधि विक्रेताओं एवं आमजन को भी इस संबंध में जागरूक किया जाए। बैठक में निर्णय लिया गया कि एनडीएलसी लाइसेंसधारियों का आबकारी निरीक्षक एवं ड्रग निरीक्षक संयुक्त रूप से नियमित निरीक्षण करेंगे, जिससे मादक एवं नियंत्रित औषधियों के भंडारण एवं वितरण पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। साथ ही जनपद में नशीले पदार्थों की अवैध खेती एवं तस्करी पर विशेष निगरानी रखने तथा ऐसे मामलों में तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया गया कि नशे की लत से प्रभावित व्यक्तियों के उपचार, व्यसन मुक्ति एवं पुनर्वास के लिए प्रभावी कार्यक्रम तैयार कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके अतिरिक्त अंतर्राज्यीय सीमाओं से जुड़े जनपदों एवं पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों के साथ समय–समय पर समन्वय स्थापित कर संयुक्त कार्ययोजना के आधार पर एनडीपीएस से जुड़े मामलों में प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। बैठक में जिला .षि अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जनपद में किसी भी प्रकार की अवैध मादक पदार्थों की खेती न होने पाए। इसके लिए नियमित निरीक्षण एवं सतत निगरानी रखी जाए तथा कहीं भी अवैध खेती पाए जाने पर तत्काल पुलिस विभाग को सूचना देकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण शासन, प्रशासन एवं समाज के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अपने दायित्वों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें, जिससे जनपद में मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके और युवाओं को सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य प्रदान किया जा सके। बैठक में पुलिस, आबकारी, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, .षि, औषधि प्रशासन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सोनभद्र में सड़क सुरक्षा पर मंथन, स्कूलों में चलेगा जागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वागीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यातायात सुरक्षा व्यवस्था सु.ढ़ करने तथा विभिन्न समस्याओं के समाधान पर विस्तृत समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि रॉबर्ट्सगंज नगर पालिका क्षेत्र में रेलवे ओवरब्रिज से वर्षा का पानी सड़क पर गिरने की समस्या का प्रभावी पाइपलाइन के माध्यम से समाधान कराया जाए। साथ ही सड़कों के किनारे बने गड्ढों की शीघ्र मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि आवागमन सुरक्षित बना रहे। उन्होंने परिवहन, पुलिस और शिक्षा विभाग को विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नियमित यातायात जागरूकता अभियान चलाने तथा छात्र–छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। वहीं लोक निर्माण विभाग और संबंधित एजेंसियों को जनपद के सभी दुर्घटना बहुल (ब्लैक स्पॉट) स्थलों पर चेतावनी एवं संकेतक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए, जिससे वाहन चालक समय रहते सतर्क हो सकें। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ), जिला आबकारी अधिकारी, अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड शैलेश ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गार्ड ऑफ ऑनर के साथ पंचतत्व में विलीन हुए पूर्व एमएलसी जयप्रकाश चतुर्वेदी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व संगठन मंत्री एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य जयप्रकाश चतुर्वेदी का सोमवार को उनके पैतृक गांव चाचीकला में सोन नदी के तट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर संगठन के इस वरिष्ठ नेता को अंतिम सलामी दी। ओबरा के उपजिलाधिकारी रवि प्रकाश पासवान ने पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। अंतिम संस्कार के दौरान सोन नदी का तट शोकाकुल जनसमूह से भरा रहा। मुखाग्नि उनके भतीजे सुशील चतुर्वेदी ने दी। जयप्रकाश चतुर्वेदी का निधन केवल सोनभद्र ही नहीं, बल्कि भाजपा संगठन के लिए भी बड़ी क्षति माना जा रहा है। संघ प्रचारक के रूप में सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले चतुर्वेदी ने संगठन को ही अपना जीवन समर्पित कर दिया था। भाजपा में उन्होंने ब्रज, काशी और अवध क्षेत्र के संगठन मंत्री सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। वर्ष 2004 से 2010 तक वह उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य भी रहे। भाजपा के पुराने दौर के प्रमुख संगठनकर्ताओं में शामिल जयप्रकाश चतुर्वेदी ने पार्टी को गांव–गांव और बूथ स्तर तक मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अटल बिहारी वाजपेयी और कल्याण सिंह के दौर में संगठन विस्तार में उनका विशेष योगदान रहा। वे अक्सर सार्वजनिक मंचों से अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व और

राजनीतिक जीवन पर अपने विचार साझा करते थे। संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि संघ प्रचारक से लेकर क्षेत्रीय संगठन मंत्री और विधान परिषद सदस्य तक की जिम्मेदारियां निभाने के बावजूद उनका कार्यकर्ताओं और अपने क्षेत्र से लगातार जुड़ाव बना रहा। चाचीकला जैसे दूरस्थ गांव से निकलकर उन्होंने प्रदेश स्तर की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई। क्षेत्र के विकास कार्यों में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही और कोन को विकासखंड का दर्जा दिलाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया जाता है। पैतृक आवास से सोन नदी तट तक निकली अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। अंतिम यात्रा में सदर विधायक भूपेश चौबे, केंद्रीय संगठन मंत्री अरविंद नेमन, राज्य मंत्री संजीव गोंड़, सपा सांसद छोटेलाल खरवार, सपा जिलाध्यक्ष रामनिहोर यादव, पूर्व विधायक रमेश दुबे, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा भाजपा नेता अशोक मिश्रा, रमेश मिश्रा, अजीत चौबे, प्रवीण सिंह, शशांक शेखर मिश्रा, लक्ष्मी जायसवाल सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण भी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की मौजूदगी ने जयप्रकाश चतुर्वेदी के व्यापक सामाजिक और राजनीतिक संबंधों को भी दर्शाया। श्रद्धांजलि देने पहुंचे नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि जयप्रकाश चतुर्वेदी ने अपने राजनीतिक जीवन में पद से अधिक संगठन और कार्यकर्ताओं को महत्व दिया। उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं को प्रदेश स्तर तक पहुंचाने और विकास कार्यों के लिए लगातार प्रयास किए। नेताओं ने उनके निधन को भाजपा संगठन के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि उनके जैसे समर्पित संगठनकर्ता लंबे समय तक कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा बने रहेंगे। सोन नदी के तट पर अंतिम संस्कार के समय हर आंख नम थी। चिता को मुखाग्नि दिए जाने के साथ ही भाजपा के उस वरिष्ठ संगठनकर्ता की राजनीतिक यात्रा का भौतिक रूप से अंत हो गया, जिसने अपना संपूर्ण जीवन पार्टी और संगठन के विस्तार के लिए समर्पित कर दिया।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित 'जनसुनवाई/जनता दर्शन' कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सु.ढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की मासिक गोष्ठी आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में कानून व्यवस्था, व्यापारी सुरक्षा एवं जनसामान्य की सुरक्षा व्यवस्था को सु.ढ़ बनाए रखने हेतु निरंतर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 27.07.2026 को रणधीर कुमार मिश्रा, क्षेत्राधिकारी नगर, द्वारा पुलिस लाइन चुर्क स्थित कान्फ्रेंसिंग हाल में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की मासिक गोष्ठी आयोजित की गयी। आयोजित गोष्ठी में सर्राफा व्यवसायियों, व्यापारियों, बैंक मित्रों, माइक्रो फाइनेंस कर्मियों, व्यापारिक प्रतिष्ठान संचालकों एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना गया। गोष्ठी के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा व्यापारियों को सुरक्षा के .ष्टिगत आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान करते हुए प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे सदैव क्रियाशील रखने, अधिक धनराशि के लेन–देन के समय विशेष सतर्कता बरतने, संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा साइबर अपराधों से बचाव हेतु जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त व्यापारियों एवं पुलिस प्रशासन के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने, कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा व्यापारिक क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था सु.ढ़ रखने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गयी। रणधीर कुमार मिश्रा, क्षेत्राधिकारी नगर, द्वारा उपस्थित सभी व्यापारियों से पुलिस प्रशासन के साथ सहयोग एवं समन्वय स्थापित कर जनहित एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अपील की गयी।

अतिक्रमण हटाने के बाद से बढ़ा तनाव

जौनपुर। सुरेरी थाना क्षेत्र के परमालपुर गांव में राजस्व भूमि से अतिक्रमण हटाए जाने के बाद भूमि विवाद और गहरा गया है। गांव की निवासी जूली सिंह ने जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर अपने एवं परिवार की जान–माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। आरोप लगाया है कि गांव के सार्वजनिक रास्ते की राजस्व भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से बाउंड्रीवाल और अन्य निर्माण कर कब्जा कर लिया था।

शिकायत के बाद तहसील प्रशासन ने पहले मुनादी कराई और 21 जुलाई को पुलिस बल की मौजूदगी में राजस्व विभाग की टीम ने अतिक्रमण हटवा दिया।शिकायतकर्ता का कहना है कि प्रशासनिक कार्रवाई से नाराज विपक्षी अब प्रतिशोध की भावना से उनके परिवार को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि उनके परिवार के सदस्यों, यहां तक कि सेना में कार्यरत उनके भाई को भी निशाना बनाया जा सकता है। इसी आशंका के मद्देनुसार उन्होंने जिलाधिकारी और एसएसपी से सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा आरोपितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

अधिवक्ता संघर्ष समिति ने एसडीएम से की मुलाकातः राजस्व कार्यों में पारदर्शिता व तहसील परिषर के समस्याओं पर हुई चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ओबरा तहसील के नवागत उपजिलाधिकारी रवि कुमार पासवान ने पदभार ग्रहण करने के बाद सोमवार को तहसील अधिवक्ता संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। मुलाकात के दौरान राजस्व कार्यों में पारदर्शिता, न्यायिक प्रक्रिया में तेजी और आम जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण पर विस्तृत चर्चा की गई।अधिवक्ता संघर्ष समिति के संयोजक उमेश चंद शुक्ला ने कहा कि अधिवक्ता और प्रशासन का साझा उद्देश्य आम नागरिक को समय पर न्याय और राहत प्रदान करना है। उन्होंने नवागत एसडीएम को समिति की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। समिति के दिनेश पांडेय ने

तहसील में फाइलों के निस्तारण, पैमाइश, दाखिल–खारिज और उत्तराधिकार जैसे कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे वादकारियों को बार–बार तहसील के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।एसडीएम रवि कुमार पासवान ने आश्वासन दिया कि उनका प्रयास रहेगा कि तहसील का कामकाज पूरी पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ हो। उन्होंने अधिवक्ताओं को न्याय व्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि उनके सुझावों को प्रशासन गंभीरता से लेगा।उन्होंने यह भी कहा कि राजस्व और न्यायिक कार्यों में किसी भी प्रकार के विलंब या अव्यवस्था की स्थिति में अधिवक्ता संघर्ष समिति सीधे उनके संज्ञान में ला सकता है। इसके लिए तहसील स्तर पर नियमित संवाद की व्यवस्था स्थापित की जाएगी। समिति ने तहसील स्तर पर कुछ समस्याओं जैसे तहसील परिसर मे रजिस्ट्री ऑफिस ,बरसात के पानी का बहाव , सुरक्षा के .ष्टि से तहसील में सी सी टीवी कैमर , गेट आदि पर चर्चा किया /तहसील के व्यवस्था पर बोलते हुए रवि कुमार पासवान ने कहा कि तहसील के समस्याओं का निस्तारण के लिए जल्द व्यवस्था कराई जाएगी तहसील क्षेत्र में शांति बनाए रखना सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि किसी भी विवाद की स्थिति में त्वरित संवाद के माध्यम से समस्या का समाधान निकाला जा सकता है, जिसमें अधिवक्ता संघर्ष समिति की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।इस अवसर पर एस के जैन ,संजय द्विवेदी,गजेंद्र यादव ,कमलेश यादव , सुशील पांडेय, डी के जौहरी, हरेन्द्र सिंह मनीष मिश्रा , अनुपम कुमार ,वीरेंद्र पांडेय,मनोज पाठक सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित थे।

नगरीय निकायों में समाधान सम्भव दिवस का आयोजन समस्या सुन किया समाधान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र, की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का अयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 1, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 3, नगर पंचायत चोपन में 5, नगर पंचायत ओबर में 3, नगर पंचायत रेनुकूट में 5, नगर पंचायत पिपरी में 2, नगर पंचायत दुद्धी में 3, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 3, समस्त निकायों में कुल 27 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ–सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद , द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

योगी सरकार के प्रयासों से बदल गई सोनभद्र के स्कूलों की तस्वीर .900 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास से आसान हुई पढ़ाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश सरकार और संपर्क फाउंडेशन के सहयोग से जनपद सोनभद्र के 10 विकास खंडों के 900 परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास संचालित की जा रही हैं। इस पहल से सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले हजारों बच्चों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण और रोचक शिक्षा उपलब्ध हो रही है। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने बताया कि संपर्क फाउंडेशन की एसटीवी डिवाइस में नई शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के अनुरूप

एनसीईआरटी और एससीईआरटी से अनुमोदित शैक्षणिक सामग्री पहले से ही उपलब्ध रहती है। यह सामग्री आकर्षक एनीमेशन, चित्रों, वीडियो और गतिविधियों के माध्यम से तैयार की गई है, जिससे बच्चों की विषयों में रुचि बढ़ती है और कठिन अवधारणाएं भी आसानी से समझ में आ जाती हैं। इस डिवाइस के संचालन के लिए इंटरनेट की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने बताया कि बच्चों को अब डिजिटल माध्यम से सीखने का अवसर मिल रहा है।

शिक्षक भी कक्षा में ऑडियो–वीडियो सामग्री की सहायता से पढ़ाई को अधिक रोचक बना रहे हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव विद्यार्थियों की उपस्थिति, सहभागिता और सीखने की क्षमता पर भी देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट क्लास शुरू होने के बाद बच्चों का पढ़ाई के प्रति उत्साह काफी बढ़ा है। एनीमेशन और .श्य सामग्री के माध्यम से पढ़ाए जाने वाले पाठ बच्चों को लंबे समय तक याद रहते हैं। गणित, विज्ञान, हिंदी और अंग्रेजी जैसे विषय अब पहले की तुलना में अधिक सरल और मनोरंजक बन गए हैं। बच्चे भी पूरे मनोयोग से कक्षाओं में भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया का आनंद उठाते हैं। स्मार्ट क्लास से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की शुरुआत प्रदेश सरकार और संपर्क फाउंडेशन की यह संयुक्त पहल सोनभद्र के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित शिक्षकों और गुणवत्तापूर्ण डिजिटल कंटेंट के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षण वातावरण मिल रहा है, जिससे आने वाले समय में उनके शैक्षणिक स्तर में और अधिक सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

नवागत एडिओ पंचायत ने किया कार्य भार ग्रहण ,योजनाओं को लोगों तक पहुचाना प्राथमिकता

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। विकास खण्ड करमा में सोमवार को सहायक विकास अधिकारी पंचायत अंशुमान सिंह ने कार्यभार ग्रहण कर लिया। इसके पूर्व चंदौली जिले में तैनात थे। उन्होंने कहा कि आईजी आर एस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करना प्राथमिकता होगी ।इसके साथ ही शासन द्वारा जारी जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। विकास खण्ड करमा के चार सचिवों सुनील कुमार यादव,शिवम सिंह का म्योरपुर,एवं उमेश कुमार, जितेंद्र कुमार का घोरावल स्थानांतरण हो गया था। जिससे उन स्थानों पर अन्य ब्लाकों से तीन सचिवों पंकज मौर्य, शिवम शरण सोनकर, राहुल राज ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

किरण अब्बावरम की चेन्नई लव स्टोरी ने दो दिनों में 25.2 करोड़ रुपये कमाए

किरण अब्बावरम और साई गौरी प्रिया की फिल्म चेन्नई लव स्टोरी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे अच्छे रिव्यूज मिले। रवि नंबूरी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म को एसकेएन और साई राजेश ने प्रोड्यूस किया है। इसमें श्रिगन और सिरी हनुमंथु भी अहम सपोर्टिंग रोल में हैं। फिल्म ने सिर्फ दो दिनों में दुनिया भर में 25.2 करोड़ की कमाई की। शनिवार को पहले दिन की कमाई के मुकाबले अच्छी बढ़त देखी गई। रविवार को और कमाई होने की उम्मीद है, ऐसे में ट्रेड अनुमान बताते हैं कि फिल्म अपने ओपनिंग वीकेंड में 25 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर लेगी, जो एक शानदार शुरुआत है। मणि शर्मा के गाने और बैकग्राउंड स्कोर फिल्म की बड़ी खासियत बन गए हैं, जिससे दर्शक इसे बार–बार देखने आ रहे हैं। चेन्नई की पृष्ठभूमि पर बनी यह युवा प्रेम कहानी तेलुगु राज्यों और विदेशों में कॉलेज के युवाओं और परिवारों को पसंद आ रही है। शुरुआती रुझानों से पता चलता है कि चेन्नई लव स्टोरी किरण की सबसे बड़ी ओपनर फिल्म बन सकती है। लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया और मणि शर्मा का संगीत इसकी सफलता को बढ़ावा दे रहे हैं। अगर यही रफ्तार बनी रही, तो फिल्म का पहला हफ्ता मुनाफे वाला होगा और यह एक सरप्राइज हिट साबित हो सकती है।

प्रशांत नील की हॉरर फिल्म 418 का ट्रेलर टला, निर्माता ने फैंस से किया ये वादा

मैथ्री मूवी मेकर्स ने कीर्तन नाडागौडा की डायरेक्ट की हुई हॉरर–थ्रिलर फिल्म 418 द फिल्म के ट्रेलर लॉन्च को टाल दिया है। स्टूडियो ने सोशल मीडिया पर इस देरी की जानकारी देते हुए कहा, कुछ दरवाजे सही समय पर ही खोलना बेहतर होता है। ट्रेलर की नई तारीख जल्द ही बताई जाएगी।

इस फिल्म में सूर्या राज, चरण लक्काराजू और प्रीति पगडल मुख्य भूमिकाओं में हैं। प्रशांत नील द्वारा पेश की गई और नवीन यरनेनी और वाई रवि शंकर द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म दर्शकों को एक जबरदस्त अनुभव देने का वादा करती है। फिल्म की टीम ने कहा, हम आपके प्यार को डर के रूप में वापस देंगे।

418 द फिल्म का मकसद सस्पेंस और टेंशन के साथ साइकोलॉजिकल हॉरर का अनुभव देना है। मेकर्स का कहना है कि यह फिल्म कॉमेडी–हॉरर से आगे बढ़कर असली डर पैदा करती है। इसकी कहानी डर पर आधारित है और इसे भारत और विदेशों में थिएटर में हॉरर का अनुभव देने के लिए बनाया गया है। इसकी सिनेमैटोग्राफी दिनेश दिवाकर ने की है, संगीत वेंकी जीजी का है और प्रोडक्शन डिजाइन उल्लास हाइदूर का है। यह फिल्म 31 जुलाई, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। मैथ्री के सपोर्ट और नील की प्रस्तुति के कारण, कन्नड़–तेलुगु द्विभाषी थ्रिलर फिल्म से काफी उम्मीदें हैं।

प्रभास की स्पिरिट में कैटरीना कैफ की एंट्री? 2 साल बाद एक्ट्रेस की बड़े पर्दे पर होगी वापसी?

साउथ सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म स्पिरिट इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं. कुछ महीने पहले ही दीपिका पादुकोण इस फिल्म से बाहर हो चुकी हैं, जिसके बाद फिल्म में तृप्ति डिमरी और प्रभास की जोड़ी देखने को मिलेगी. इसी बीच फिल्म से जुड़ी

एक बड़ी अपडेट सामने आ रही है कि एक्ट्रेस कैटरीना कैफ भी फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं, जो फैंस के बीच चर्चा में है.

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के मेकर्स कैटरीना कैफ से कैमियो के लिए बात कर रहे हैं. फिल्म में उनका स्क्रीन टाइम कम हो सकता है, लेकिन वो एक मजबूत किरदार में दिखाई देंगी. अगर कैटरीना फिल्म में नजर आती हैं, तो ये उनके फैंस के लिए बहुत खास होने वाला है. शादी के बाद बड़े पर्दे पर वो बहुत कम दिखाई दी है और कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर चल नहीं पाई. इसीलिए स्पिरिट उनकी बड़ी फिल्मों में से एक हो सकती हैं. हालांकि कैटरीना या मेकर्स ने इसे लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया हैं.

बता दें कि संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पहले दीपिका पादुकोण लीड रोल में नजर आने वाली थी. लेकिन न्यूज 18 शोशा के अनुसार, उन्होंने मेकर्स से 8 घंटे की शिफ्ट, 25 करोड़ फीस के अलावा फिल्म के प्रॉफिट का 10त्न की मांग की थी. इसी वजह से मेकर्स और उनके बीच बात नहीं बनी और उन्होंने फिल्म से किनारा कर लिया. इसके बाद तृप्ति डिमरी को फिल्म के लिए चुना गया और वो दीपिका से कम फीस ले रही हैं.

वहीं बात करें कैटरीना की, तो उन्होंने करीब 20 साल पहले मल्लीस्वरी में वेंकटेश और अल्लारी पिडुगु में नंदामुरी बालकृष्ण के साथ तेलुगु फिल्म में काम किया था. बाद में वो बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय रही और आखिरी बार उन्हें 2024 में मेरी क्रिसमस फिल्म में विजय सेतुपति के साथ देखा गया.

जन नायकन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे : विजय की फिल्म ने दिखाया दम, वर्ल्डवाइड किया 150 करोड़ का आंकड़ा पार

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और एक्टर विजय की बहुप्रतीक्षित आखिरी फिल्म जन नायकन, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से सर्टिफिकेशन से जुड़ी दिक्कतों के कारण महीनों की देरी के बाद आखिरकार 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. फिल्म को क्रिटिक्स से मिला–जुला रिस्पॉन्स मिला है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक–ठाक शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे ही दिन इसकी कमाई में गिरावट देखी गई. हालांकि, अब ऐसा लगता है कि फिल्म ने रिकवर कर लिया है. सैकनिल्क के अनुसार, जन नायकन ने अपने ओपनिंग डे पर 42. 70 करोड़ रुपये की कमाई की थी. हालांकि, दूसरे दिन यानी पहले शुक्रवार को फिल्म की कमाई में 29.5त्न की गिरावट आई और इसने सिर्फ 21.51 करोड़ रुपये कमाए. लेकिन पहले शनिवार को फिल्म की कमाई में 38.7त्न का उछाल आया और इसने 12,299 शो में 28.50 करोड़ कमाए. इससे फिल्म की कुल इंडिया ग्रॉस कमाई 108.34 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि इसकी घरेलू नेट कमाई 92.35 करोड़ रुपये है. जन नायकन ने तमिल वर्शन में सबसे ज्यादा कमाई की है. फिल्म ने तमिल में 24.40 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसने हिंदी दर्शकों का भी ध्यान अपनी तरफ खींचा है. इसने तीन दिनों में कुल 2.70 करोड़ रुपये कमाए हैं. जबकि तेलुगु बेल्ट में इसने मात्र 1.40 करोड़ रुपये कमाए हैं. एच. विनोथ के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने महज तीन दिनों में दुनिया भर में 170 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और भारत में 100 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई करने वाली फिल्मों के क्लब में शामिल होने की राह पर है. शनिवार को इसने ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर 20 करोड़ रुपये कमाए थे, जिस कुल ओवरसीज कलेक्शन 63.50 करोड़ रुपये हो गए. इस तरह विजय की फिल्म ने दुनिया भर में 171.84 करोड़ रुपये कमाने में कामयाबी हासिल की है. सिर्फ तीन दिनों में लगभग 172 करोड़ रुपये की वर्ल्डवाइड कमाई और वीकेंड पर शानदार प्रदर्शन के साथ, जन नायकन इस साल की सबसे बड़ी तमिल ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बनने की राह पर है. एच. विनोथ के निर्देशन में बनी जना नायकन राजनीति में पूरी तरह से कदम रखने से पहले विजय की आखिरी फिल्म है. इस पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा में पूजा हेगड़े मुख्य लीड एक्ट्रेस हैं. उनके साथ बॉबी देओल, ममिता बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण, प्रियामणि और वरलक्ष्मी सरथकुमार अहम भूमिकाओं में हैं. फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है और इसे केवीएन प्रोडक्शंस ने प्रोड्यूस किया है.

बच्चों को छोटी उम्र में ही तैराकी सिखाने के मिल सकते हैं ये 5 फायदे

बच्चों को छोटी उम्र में तैराकी सिखाना एक बेहतरीन विचार हो सकता है। इससे न केवल उनका शारीरिक विकास होता है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना भी मिलती है। तैराकी सीखने से बच्चे पानी के प्रति डर को भी दूर कर सकते हैं और आपातकालीन स्थितियों में खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। इस लेख में हम 5 प्रमुख फायदों पर चर्चा करेंगे, जो बच्चों को तैराकी सिखाने से मिल सकते हैं।

शारीरिक विकास में मददगार

तैराकी एक ऐसी गतिविधि है, जो पूरे शरीर को सक्रिय रखती है। छोटे बच्चे जब तैराकी सीखते हैं तो उनकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनका शारीरिक विकास बेहतर होता है।

इसके अलावा तैराकी से बच्चों का संतुलन और तालमेल भी सुधरता है, जिससे वे शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय और स्वस्थ रहते हैं।

नियमित तैराकी से बच्चों की शारीरिक क्षमता बढ़ती है और उनका शरीर लचीला भी बनता है।

बढ़ता है आत्मविश्वास

तैराकी सीखने से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। जब बच्चे पानी में तैरना सीखते हैं और इसमें माहिर होते हैं तो उनका आत्मसम्मान भी बढ़ता है। वे खुद पर विश्वास करना सीखते हैं और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं। इसके अलावा पानी में समय बिताने से बच्चे अधिक आत्मनिर्भर बनते हैं और उनकी समस्या समाधान की क्षमता भी बेहतर होती है।

इससे उनका मानसिक विकास भी होता है।

आपातकालीन स्थितियों में खुद को रख सकते हैं सुरक्षित

तैराकी सीखने से बच्चे आपातकालीन स्थितियों में खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। अगर कभी भी किसी तरह की दुर्घटना हो जाए या किसी को मदद की जरूरत पड़े तो बच्चे तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं।

इसके अलावा तैराकी सिखाने से बच्चे पानी के प्रति जागरूक रहते हैं और उसमें सुरक्षित तरीके से समय बिताते हैं।

इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है और वे अधिक जिम्मेदारी से व्यवहार करते हैं।

सामाजिक संबंध बनाने का मिलता है मौका

तैराकी क्लासेस या स्विमिंग पूल पर जाकर बच्चे नए दोस्तों से मिलते हैं और सामाजिक संबंध बनाने का मौका मिलता है।

वे टीम वर्क सीखते हैं और दूसरों के साथ मिलकर काम करना जानते हैं। इसके अलावा तैराकी सिखाने से बच्चों में सहयोग की भावना भी विकसित होती है। इससे वे दूसरों की मदद करना और साथ मिलकर काम करना सीखते हैं। तैराकी क्लासेस बच्चों के सामाजिक जीवन को समृद्ध बनाती हैं और उन्हें एकजुटता का अनुभव कराती हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी है लाभदायकः तैराकी केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होती है। पानी में समय बिताने से मन शांत रहता है और तनाव कम होता है।

बच्चों को छोटी उम्र से ही तैराकी सिखाने से उनका मानसिक विकास भी बेहतर होता है। इससे वे अधिक संतुलित और खुश रहते हैं।

इस प्रकार बच्चों को छोटी उम्र में तैराकी सिखाना कई प्रकार से उनके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

आपने पूरा पढ़ लिया है